



वर्ष-31 अंक : 59 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ शु.14 2083 शनिवार, 30 मई-2026

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH



जातिसूचक टिप्पणी मामले में छिरे केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिंदू

जालंधर, 29 मई (एजेंसियां)। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने आज केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिंदू के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। धुरी दौर के दौरान कथित तौर पर जातिसूचक शब्दों के इस्तेमाल मामले में आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया है। संगरूर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट तलब कर जांच के आदेश दिए गए हैं। पंजाब राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष जसवीर सिंह गढ़ी ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि यह मामला सोशल मीडिया के जरिए उनके संज्ञान में आया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और खबरों में दावा किया गया है कि रवनीत सिंह बिंदू ने जातिसूचक शब्दों

प्रधान संपादक - डॉ. गिरिष कुमार संधी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मानसून अब 7 दिन बाद केरलम पहुंचेगा

तूफानी हवाओं ने श्रीलंका में रोका; 10% कम बारिश का अनुमान, जून-जुलाई में भी हीटवेव चलेगी नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। देश में मानसून की एंटी लेट हो गई है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को बताया कि श्रीलंका के ऊपर कम दबाव वाली तूफानी हवाओं के चलते मानसून केरलम तट से 30-35 किमी दूर 5 दिन से अटका है और अगले 2-3 दिनों इसके आगे बढ़ने के आसार नहीं हैं। केरलम के तट पर मानसून पहुंचने की सामान्य तारीख 1 जून मानी जाती है। इससे पहले मौसम विभाग ने 26 मई तक ही मानसून आने का अनुमान जताया था। ताजा अनुमान के मुताबिक अब यह 7 दिन बाद केरल तट पर पहुंचेगा। यानी, पिछले अनुमान से मानसून करीब 10 दिन बाद देश में एंटी करेगा।

आईएमडी के मुताबिक जून-जुलाई में भी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, बिहार, ओडिशा, छत्तीसगढ़, गुजरात और आंध्र प्रदेश में हीटवेव चलने की संभावना है। आमतौर पर उस वक्त तापमान 30-35 डिग्री तक रहता है। इस बार 3 डिग्री ज्यादा टेंपरेचर रहेगा। मौसम विभाग ने बताया कि इस साल देश में औसतन 78 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान है। जो सामान्य से करीब 10% कम है। 13 अप्रैल को 80 सेंटीमीटर बारिश का अनुमान लगाया गया था। 1971-2020 के आंकड़ों के आधार पर देश में औसत बारिश 87 सेंटीमीटर मानी जाती है।

यूपीएससी में कभी पेपर लीक नहीं हुआ

सुप्रीम कोर्ट बोला- : एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत

जवाबदेही तय होने तक ये घटनाएं नहीं रुकेंगी

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को नीट-यूजी पेपर लीक मामले पर कहा कि जवाबदेही तय होने तक ऐसी घटनाएं रुकने वाली नहीं। कोर्ट में मौजूद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) से सवाल किया कि यूपीएससी तो आपसे बड़े पैमाने पर परीक्षा करवाता है, वहां कभी पेपर लीक नहीं हुआ। एनटीए को उनसे सीखने की जरूरत है। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद नीट पेपरलीक की जांच पर नजर रख रहे हैं ताकि कोई चूक न हो।

केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस नरसिम्हा ने शिक्षा मंत्रालय से नीट-यूजी परीक्षाओं की जांच प्रक्रिया का ब्योरा मांगा। सॉलिसिटर जनरल ने बताया कि पेपर लीक के बाद बड़े लेवल पर सुधार किए हैं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हम युवाओं को लेकर गंभीर हैं। नीट-यूजी री-टेस्ट के लिए



नए तरीके अपनाए गए हैं। देशभर में 3 मई को नीट-यूजी परीक्षा हुई थी। 7 मई की शाम पेपर लीक की खबर सामने आई थी। 12 मई को परीक्षा रद्द कर दी गई। 21 जून को

री-एग्जाम होगा।

एससी का सवाल- सुधार के बावजूद नाकामी क्यों

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए को भंग करने वाली

याचिकाओं पर सुनवाई की। इस दौरान 2024 में नीट पेपर लीक के बाद बनाई गई हाई-पावर मॉनिटरिंग कमेटी के प्रमुख और पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के राधाकृष्णन से पूछा कि सिफारिशों और सुधारों के बावजूद इस बार नाकामी क्यों हुई। राधाकृष्णन ने बताया कि समिति की अधिकांश सिफारिशें लागू की जा चुकी हैं। नीट-पीजी 2025 सफल रहा और इस साल सामने आई कमजोरियों को आगामी री-टेस्ट से पहले दूर किया जा रहा है।

कोर्ट ने कहा- एनटीए अभी स्थायी और मजबूत संस्था की तरह काम नहीं कर रही है। केंद्र सरकार एनटीए को मजबूत बनाने के लिए क्या करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि एनटीए को आईआईटी और दूसरे बड़े संस्थानों के विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए, ताकि भविष्य में परीक्षाएं सुरक्षित तरीके से हो सकें।



नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारत के साथ संबंधों को सुधारने के लिए अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से बड़ा संदेश दिया है। गोर ने कहा है कि अमेरिका को भारत की क्षमता को जानना है और दोनों

‘अमेरिका भारत की क्षमता पहचानता है..’

भारत से साझेदारी पर बोले ग्रास एंबेसडर सर्जियो गोर, बताया- भरोसेमंद पार्टनर

देशों की साझेदारी को और मजबूत बनाना चाहता है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर का कहना है कि उनकी सरकार दुनिया में 'सत्ता के केंद्रों' में से एक रूप में देखती है। उन्होंने दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, क्रिटिकल मिनेरल्स और व्यापार से जुड़े विषयों में समान हितों पर जोर देते हुए भारत को एक भरोसेमंद पार्टनर बताया है। सर्जियो गोर ने कहा कि 'ट्रंप प्रशासन नए सत्ता केंद्रों की

पहचान कर रहा है। भारत के पास जो क्षमता है, हम वह जानते हैं। हम भारत का विकास देख रहे हैं। हम इस साझेदारी को बढ़ा रहे हैं और इस साझेदारी को मजबूत कर रहे हैं।'

सर्जियो गोर ने कहा कि जब पिछले साल डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार कार्यभार संभाला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका गए तो दोनों देशों ने कई क्षेत्रों में मिलकर काम करने पर जो दिया। दरअसल, डोनाल्ड ट्रंप ने अपने

दूसरे कार्यकाल में ऑपरेशन सिंदूर के बाद खासकर द्विपक्षीय व्यापार के मामले में अचानक भारत के साथ दृष्टान्त जैसा बर्ताव शुरू कर दिया था। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने भारत से आयात पर 50% तक टैरिफ टोक दिया। लेकिन, इस साल की शुरुआत से अमेरिका के सूर फिरे से नरम पड़ने शुरू हो गए और उसने टैरिफ घटाने के साथ दशकों से लंबित फ्री ट्रेड डील को भी आगे बढ़ाने का एलान कर दिया।

पंजाब निकाय चुनाव में आप का दबदबा

सीटें 800 पार, कपूरथला में कांग्रेस को बहुमत; सीएम मान बोले- बंगाल जीतने वाले 5वें नंबर पर चंडीगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। पंजाब में 8 नगर निगमों, 75 नगर कीसिलों और 20 नगर पंचायतों के चुनाव में आम आदमी पार्टी का दबदबा दिखा है। सुबह 8 बजे से हो रही मतगणना में 834 वार्डों में आप जीत चुकी है। कांग्रेस दूसरे और आजाद उम्मीदवार तीसरे नंबर पर हैं। हालांकि कांग्रेस ने कपूरथला नगर निगम में दबदबा दिखाते हुए बहुमत हासिल कर लिया है। कांग्रेस ने 50 वार्डों में से 31 में जीत हासिल की है।

बंगाल के बाद 2027 में पंजाब को जीतने की बारी की बात कहने वाली भाजपा सबसे पीछे है। कमबैक के दावे वाला अकाली दल भी चौथे नंबर पर है। 26 मई को निकाय चुनाव के लिए वोटिंग हुई थी।

मोहाली नगर निगम में आप के उम्मीदवार पति-पत्नी ने जीत दर्ज की। वार्ड नंबर 4 से हर्बिंदर सिंह और वार्ड नंबर 3 से उनकी पत्नी गुरमीत कौर ने चुनाव जीता। उधर, सीएम भगवंत मान ने कहा कि बंगाल जीतने वाले पांचवें नंबर पर आए हैं। 1100 से ज्यादा उम्मीदवारों की जमानत जब्त हुई है। कांग्रेस व अकाली दल अपने पुराने बहानों पर कायम रहे हैं।

कर्नाटक में 4 डिप्टी सीएम हो सकते हैं

शिवकुमार सीएम होंगे, शपथ अगले हफ्ते संभव; सिद्धारमैया ने राहुल-खड़गे से मुलाकात की

बेंगलुरु, 29 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के एक दिन बाद ही सिद्धारमैया शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे से मुलाकात की।

मीडिया रिपोर्टर के मुताबिक, इस बैकड में सिद्धारमैया ने हाईकमान के सामने अपनी कई मांगें रखीं, जिनमें बेटे यतींद्र सिद्धारमैया के लिए नए मंत्रिमंडल में अहम मंत्रालय की मांग भी शामिल बताई जा रही है। उधर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। पार्टी सूत्रों ने कहा है कि डीके अगले हफ्ते नए मंत्रियों के साथ शपथ ले सकते हैं। सरकार में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने के लिए 4 डिप्टी सीएम भी बनाए जा सकते हैं। कांग्रेस शिवकुमार ने को कहा



कि राज्य में नई कैबिनेट बनाने को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। सब कुछ हाईकमान के कहने के मुताबिक हो रहा है। शनिवार को कांग्रेस लेजिस्लेटिव पार्टी (सीएलपी) की एक मीटिंग बुलाई गई। शिवकुमार ने मीडिया से कहा- हमारे केंद्रीय नेताओं को आना है। हमें अपने हाईकमान से बात करनी है। इसके अलावा और कुछ नहीं है। इधर, कांग्रेस विधायक अशोक पट्टन ने दावा किया है कि शनिवार को होने वाली मीटिंग में डीके

शिवकुमार के कांग्रेस लेजिस्लेटिव पार्टी के नेता चुने जाने की संभावना है। पट्टन ने कहा- जब हम दिल्ली गए थे, तो 40 सदस्यों की बात हुई थी, उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की।

सिद्धारमैया का दबदबा रहेगा पार्टी सूत्रों की मानें तो सीएम के साथ-साथ कैबिनेट भी बदलेगी। मौजूदा कैबिनेट से 10 मंत्री हटाए जा सकते हैं। शिवकुमार कैबिनेट में सिद्धारमैया और मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे समेत चार उपमुख्यमंत्री बनाए जाने की संभावना है। यह पहला मौका नहीं है कि किसी राज्य में एक साथ इतने डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे। इससे पहले 2019 में आंध्र प्रदेश के पूर्व सीएम जगन मोहन ने 5 डिप्टी सीएम के साथ शपथ ली थी।

‘अच्छे जजों को कूलिंग-ऑफ पीरियड की जरूरत नहीं’, कानून मंत्री मेघवाल का बड़ा बयान

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून व न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की सरकारी नियुक्तियों से पहले अनिवार्य कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू करने की मांग को खारिज किया। उन्होंने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति मानसिक रूप से स्वस्थ, निष्पक्ष और सक्षम है तो उसे काम करने से रोकने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका के भीतर भी इस मुद्दे पर अलग-अलग राय हैं और इस पर कोई सर्वसम्मत दृष्टिकोण नहीं है।

मेघवाल ने कहा कि कुछ लोग मानते हैं कि सेवानिवृत्त जजों की नियुक्ति में जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए, जबकि कुछ का मानना है कि नियुक्तियों में देरी भी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न न्यायाधिकरणों में बड़ी संख्या में पद खाली हैं और अनुभवी लोगों की आवश्यकता है। कानून मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण और राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील न्यायाधिकरण जैसे न्यायाधिकरणों में योग्य और अनुभवी न्यायाधीशों की जरूरत है। उन्होंने सवाल किया कि अगर कोई सेवानिवृत्त जज न्यायसंगत सोच रखने वाला, स्वस्थ और सक्षम है तो उसकी नियुक्ति तुरंत करने में क्या समस्या है।

रिटायरमेंट के बाद न्यायाधीशों को विभिन्न सरकारी संस्थाओं में नियुक्त किए जाने को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। आलोचकों का तर्क है कि ऐसी नियुक्तियां न्यायिक स्वतंत्रता और हितों के टकराव को लेकर सवाल खड़े कर सकती हैं। सेवानिवृत्त जजों की नियुक्ति राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, लोकपाल, भारतीय विधि आयोग और भारतीय प्रेस परिषद जैसी संस्थाओं में भी की जाती है।

मेघवाल ने कहा कि कूलिंग-ऑफ पीरियड की मांग अक्सर इस धारणा पर आधारित होती है कि किसी जज को उसके फैसलों के बदले पद दिया जा सकता है, लेकिन ऐसा मानना गलत है।

पांच दिन की हीटवेव बन सकती है 30 हजार मौतों की वजह

भीषण गर्मी के बीच आई डराने वाली रिपोर्ट

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। देश में लगातार बढ़ती भीषण गर्मी अब सिर्फ मौसम की परेशानी नहीं, बल्कि बड़ा स्वास्थ्य संकट बनती जा रही है। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत में एक दिन की अत्यधिक गर्मी से करीब 3400 अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं, जबकि लगातार पांच दिन तक चलने वाली हीटवेव लगभग 30 हजार लोगों की जान ले सकती है। यह अध्ययन अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया बर्कले के ईडिथा एनर्जी एंड क्लाइमेट सेंटर के शोधकर्ताओं ने किया है। रिपोर्ट ऐसे समय आई है, जब उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच चुका है और लोग भीषण लू का सामना कर रहे हैं। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में गर्मी से होने वाली मौतों का आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है।



शोधकर्ताओं पिपूष नारांग और अशोक गाडगिल ने भारत के 10 शहरों में गर्मी से होने वाली मौतों के पुराने आंकड़ों का विश्लेषण कर देशभर के जिलों के लिए अनुमान तैयार किया। यह अध्ययन 'फ्रंटियर्स इन एनवायरमेंटल हेल्थ' जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसमें 'एक्सेस डेथ' यानी अतिरिक्त मौतों का अकालन किया गया। इसका मतलब है कि सामान्य परिस्थितियों की तुलना में कितने ज्यादा लोगों की मौत गर्मी के कारण हो सकती है। अध्ययन के अनुसार, पांच दिन

जिन राज्यों की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर है, वहाँ गर्मी से मौतों का खतरा सबसे ज्यादा है।

उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात देश की कुल अतिरिक्त मौतों का 66 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं, जबकि देश की जोड़ीपी में इनकी हिस्सेदारी केवल 29 प्रतिशत है। शोधकर्ताओं ने कहा कि यह असमानता बेहद चिंताजनक है। इसका मतलब है कि गरीब और कम संसाधनों वाले राज्य गर्मी का सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक देश के शीर्ष 100 जिले, जहाँ लगभग एक-तिहाई आबादी रहती है, पांच दिन की हीटवेव के दौरान कुल अनुमानित मौतों का 44 प्रतिशत हिस्सा बन सकते हैं। इससे साफ है कि हीटवेव का खतरा केवल जनसंख्या पर नहीं, बल्कि आर्थिक और स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरी पर भी निर्भर करता है।

किन राज्यों पर सबसे ज्यादा खतरा बताया गया? अध्ययन में बताया गया है कि

राहुल ने दिल्ली में ऑटो ड्राइवरों के साथ खाना खाया

यूनिफॉर्म पहनी, पार्क में जमीन पर बैठे, आधे घंटे बातचीत की; कहा- संसद में मुद्दे उठाएंगे



राहुल गांधी से मिलने के बाद एक ऑटो ड्राइवर ने कहा, 'राहुल ने हमसे बातचीत की। हमारे मुद्दे उठाने, हमारे बीमा और दूसरी सहायता दिलाने का वादा किया। हमने साथ मिलकर खाना भी खाया। जब हम खाना खा रहे थे, तभी वे अचानक हमसे मिलने आ गए, और हमें बहुत अच्छा लगा।' ऑटो ड्राइवर रमेश प्रसाद ने बताया कि हमने राहुलजी से बताया कि हमारा काम बहुत धीमा चल रहा है। उन्होंने हमें बच्चों की पढ़ाई-लिखाई और रोज की कमाई

और खाने-पीने का खर्च कैसे चलाते हैं, इस बारे में पूछा। हमने राहुल गांधी जी के साथ दाल, रोटी और सब्जी का सादा भोजन किया। ऑटो ड्राइवर अरिंद कुमार शाह ने बताया कि हमने महंगाई के बोझ, खासकर गैस की बढ़ती कीमतों के बारे में बात की, जिसने गुजारा करना बेहद मुश्किल बना दिया है। राहुल जी ने हमारी हेलप करने का वादा किया और कहा कि वे हमारी शिकायतों को सीधे संसद में उठावेंगे। हम सभी ने रोटी और आलू की सब्जी खाई।

ऑपरेशन सिंदूर: पाकिस्तान 4 दिनों में ही

युद्धविराम मांगने पर हुआ मजबूर- राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने मात्र चार दिनों के भीतर पाकिस्तान को युद्धविराम की अपील करने पर मजबूर कर दिया। यह जानकारी शुक्रवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दी। ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि भारत की निर्णायक इच्छाशक्ति, आधुनिक सैन्य क्षमता और तीनों सेनाओं के उत्कृष्ट तालमेल का जीवंत उदाहरण था। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि भारत द्वारा अब तक लड़े गए युद्धों और अभियानों की तुलना में ऑपरेशन सिंदूर कई मायनों में अलग और अत्यंत प्रभावशाली रहा। दरअसल देश की सैन्य शक्ति, रणनीतिक क्षमता और सैनिकों के अदम्य साहस का प्रतीक बन चुके ऑपरेशन सिंदूर को लेकर शुक्रवार को एक विशेष अवसर देखने को मिला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस ऐतिहासिक सैन्य अभियान पर आधारित एक स्मारक प्रकाशन का विमोचन किया। नई दिल्ली में आयोजित इस समारोह में भारतीय सेनाओं के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान पूरा वातावरण गर्व, सम्मान तथा राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया। इस दौरान रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत के सैन्य इतिहास की एक अभूतपूर्व सफलता बताया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि शुक्रवार को जारी किया गया स्मारक प्रकाशन केवल घटनाओं का दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह उन सैनिकों की भावनाओं, संघर्षों और अनुभवों को भी सामने लाता है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों में राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित की। उन्होंने कहा कि आधुनिक युद्ध केवल हथियारों और रणनीतियों से नहीं जीते जाते, बल्कि उन्मत्त नेतृत्व, साहस, मानसिक दृढ़ता और दबाव में सही निर्णय लेने की क्षमता सबसे बड़ी भूमिका निभाती है। यह पुस्तक इन्हीं पहलुओं को बेहद मानवीय और प्रेरणादायक तरीके से प्रस्तुत करती है।

उन्होंने कहा कि जब देश के सैनिक सीमाओं पर अपने प्राणों की बाजी लगाते हैं, तब राष्ट्र के नागरिकों का भी दायित्व बनता है कि वे देशहित को सर्वोपरि रखें।



मुठभेड़ में पकड़ा था बदमाश अस्पताल से फरार, बिस्तर पर मिली हथकड़ी; तैनात थे 4 जवान करनाल, 29 मई (एजेंसियां)। पुलिस मुठभेड़ में घायल होकर पकड़ा गया एक शांतिर बदमाश वीरवार रात को करीब 12 बजे सरकारी अस्पताल से फरार हो गया। अस्पताल के बेड पर बदमाश की सिर्फ हथकड़ी मिली। आरोपी पर तरावड़ी स्थित पेट्रोल पंप पर फायरिंग कर लूट का प्रयास करने का आरोप था और वह हरियाणा समेत पांच राज्यों की पुलिस के लिए वांछित बताया जा रहा था। आरोपी के फरार होते ही पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और अब पुलिस टीमें उसकी तलाश में लगातार छापेमारी कर रही हैं। पंजाब के खरड़ गांव निवासी गुरजीत सिंह को करीब 23 दिन की तलाश के बाद सीआईए-1 की टीम ने मेरठ रोड स्थित आवर्धन नहर के पास 25 मई को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया था। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के कूल्हे के पास टांग में गोली लगी थी,

'काँकरोच जनता पार्टी' को राहत नहीं हाईकोर्ट ने एक्स अकाउंट को तुरंत बहाल करने से किया इनकार

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। काँकरोच जनता पार्टी के एक्स (पूर्व में दिवटर) अकाउंट को भारत में ब्लॉक किए जाने के मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार और एक्स को नोटिस जारी किया। वहीं, हाईकोर्ट ने 'काँकरोच जनता पार्टी' के ब्लॉक किए गए 'एक्स' अकाउंट को तुरंत बहाल करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। हाईकोर्ट ने आज काँकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके की याचिका पर सुनवाई की।

याचिका में उनके व्यंग्यात्मक डिजिटल संठान के सोशल मीडिया अकाउंट को एक्स (पूर्व दिवटर) पर ब्लॉक किए जाने के फैसले को चुनौती दी गई। दीपके की याचिका पर जस्टिस पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने



सुनवाई की। अभिजीत दीपके, जो पहले आम आदमी पार्टी (आप) से जुड़े रहे हैं, ने 15 मई को मुख्य न्यायाधीश सुरेश कांत द्वारा दी गई काँकरोच और परजीवी वाली टिप्पणी के विवाद के बीच काँकरोच जनता पार्टी की शुरुआत की थी। यह टिप्पणी सीनियर एडवोकेट की पदवी से संबंधित एक याचिका की सुनवाई के दौरान की गई थी। 16 मई को मुख्य न्यायाधीश ने

सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाई कोर्ट को दे दिया बड़ा निर्देश

3 महीने के भीतर लंबित फैसला सुनाया जाए



पर अगले दिन सुनाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालतों को नियमित जमानत आदेशों की तत्काल सूचना देने का भी

2 दिन में 15 मौतें, 11 की जहरीली शराब से गई जान

पुणे, 29 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में बीते दो दिनों में हुई 15 लोगों की मौतों ने दहशत फैला दी है। इनमें से 11 लोगों की मौत कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से हुई है, जबकि चार अन्य की मौत अलग-अलग कारणों से बताई जा रही है। मौतों के बाद पिंपरी-चिंचवड और हडपसर में हड़कंप मच हुआ है। मृतकों में युवाओं से लेकर बुजुर्ग तक शामिल हैं। शराब पीने के कुछ समय बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। किसी के मुंह से झाग निकलने लगा, तो कोई चक्कर खाकर बाथरूम में गिर पड़ा। कुछ लोगों की मौत दिल का दौरा पड़ने से भी हुई। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है ताकि मौत की सही वजह सामने आ सके। पुणे पुलिस उपायुक्त ने बताया कि अब तक कुल 15 मौतें दर्ज की गई हैं।

नीट पेपर में एयरफोर्स की मदद का प्रस्ताव प्रियंका चतुर्वेदी बोलीं- 'नेवी सबमरीन का भी इस्तेमाल करें'



मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। केंद्र की मोदी सरकार 21 जून को फिर से होने वाली नीट-यूजी की परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित और बिना गड़बड़ी के आयोजित करने के लिए भारतीय वायुसेना की मदद लेने पर विचार कर रही है। पेपर्स को एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए आईएफएफ की मदद लेने की संभावना पर विचार विमर्श जारी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में इस विकल्प पर बात की गई। मोदी सरकार के इस प्रस्ताव पर विपक्ष ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तंज कसते हुए कहा कि आंसर शीट पर परीक्षा केंद्रों से उठाई जाने और उसे ओएसएसए सर्वर पर अपलोड करने के लिए नेवी सबमरीन का

औपचारिकताओं के अधीन उसी दिन रिहा किया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी निर्णय सुनाए जाने के 24 घंटे के भीतर हाई कोर्ट की वेबसाइटों पर अपलोड किए जाने चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा कि निर्णय के मुख्य भाग के सुनाए जाने की तिथि को ही फैसला सुनाए जाने की तिथि माना जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि हाई कोर्ट प्राथमिक संस्थाएं हैं जहां हजारों लोग न्याय पाने के लिए आते हैं और समय पर निर्णय सुनाना आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि ये निर्देश किसी भी जज या संस्था पर लांछन लगाने के उद्देश्य से नहीं हैं।

दो कमरों में चल रही अवैध कफ सिरप फैक्ट्री पकड़ी भोपाल के गांधी नगर में एसटीएफ का छापा, 700 से ज्यादा पेटियां मिलीं; 10 लोग हिरासत में

भोपाल, 29 मई (एजेंसियां)। भोपाल के गांधी नगर से अवैध कफ सिरप की बड़ी खेप पकड़ी गई है। यह कार्रवाई एसटीएफ ने डोबरा पटेल सिटी कॉलोनी में की। एसटीएफ ने यहां से 700 से ज्यादा पेटियां और मशीनें जब्त कीं। पूरे सेटअप की कीमत डेढ़ करोड़ रुपए बताई जा रही है। एसटीएफ ने 10 लोगों को हिरासत में लिया है। कार्रवाई करीब 12 बजे शुरू हुई, जो शुक्रवार सुबह 3 बजे तक जारी रही। जानकारी के अनुसार, मकान में 'आफ कफ' नाम की अवैध कफ सिरप तैयार की जा रही थी। मकान के दो अलग-अलग कमरों में नशीले कफ सिरप के कॉटन और बोतलें रखी हुई मिलीं। एसटीएफ ने कफ सिरप के सैंपल जांच के लिए भेजे हैं।

महाभारत नाटक के दौरान

खूनी संघर्ष: बमबाजी से दहला गांव, 16 घायल; 10 गिरफ्तार भुवनेश्वर, 29 मई (एजेंसियां)। बरहमपुर शहर के बाहरी क्षेत्र गोलेथरा थाना अंतर्गत मार्कैंडी गांव में ठाकुराणी यात्रा के दौरान महाभारत नाटक मंचन हिंसक झड़प में बदल गया। दो नाट्य मंडलियों के बीच शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि पत्थरबाजी, बोतल फेंकने और बमबाजी तक की नौबत आ गई। इस घटना में 16 लोग घायल हो गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के 10 लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट चालान किया है। जानकारी के अनुसार, रामपल्ली और गोविंदपुर गांव की नाट्य मंडलियां गांव में महाभारत नाटक प्रस्तुत कर रही थीं। इसी दौरान किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया। दोनों ओर से ईंट, पत्थर, कांच की बोतलें और अन्य सामान फेंके गए।

आरोपियों की निशानदेही पर आगे भी कार्रवाई जारी है। एसटीएफ अधिकारियों के मुताबिक, लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि गांधीनगर इलाके से अवैध रूप से नशीले कफ सिरप की सप्लाई की जा रही है। छापे की जानकारी स्थानीय गांधीनगर पुलिस को नहीं थी कार्रवाई के दौरान एसटीएफ के कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद थे। जिस मकान में कार्रवाई की गई, वह किसी मालवाीय नामक व्यक्ति का बताया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक एसटीएफ का मकान मालिक से संपर्क नहीं हो सका था। एसटीएफ अब यह पता लगाने में जुटी है कि अवैध कफ सिरप का नेटवर्क किन लोगों से जुड़ा हुआ है और इसकी सप्लाई किन क्षेत्रों में की जा रही थी।

आखिर किस काम की खुफिया विभाग की यह फौज, आतंकी मुशर्रफ के बारे में नहीं लगी हवा रड़की, 29 मई (एजेंसियां)। खुफिया विभाग के अफसर एवं कर्मचारियों की पूरी फौज शहर से लेकर देहात तक मौजूद है पर मजाल आज तक एक भी सांप्रदायिक तनाव की सूचना समय रहते पुलिस प्रशासन को दी गई। राष्ट्र प्रेक्षी गतिविधियों में संलिप्त लोगों के बारे में जब पता चलता है जब मीडिया के जरिए रिपोर्ट बाहर आ जाती है। नशे का पूरा कारोबार जारी हैं लेकिन आज तक खुफिया विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी एक इनपुट भी नहीं दे पाए हैं। खुफिया विभाग पुलिस एवं प्रशासन की आंख एवं कान है। रड़की शहर से लेकर देहात तक खुफिया विभाग के अफसरों से लेकर कर्मचारियों की पूरी फौज है।

दावा किया जाता है कि वह लगातार इनपुट देकर क्षेत्र की कानून व्यवस्था में भागेदारी निभा रहे हैं, लेकिन बड़ी घटना या बवाल के बाद ही उनकी नींद टूटती है। डंडेरा बेहद ही संवेदनशील कस्बा है। सैन्य क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, लेकिन मुशर्रफ के बारे में खुफिया विभाग को कोई जानकारी तक नहीं मिल सकी। और खोजबीन शुरू की गई। इसी तरह से कलियर में जम्मू कश्मीर पुलिस के छापे से भी खुफिया विभाग अंजान बना रहा। कई ऐसे सांप्रदायिक मामले भी सामने आए हैं कि ऐसे से उनके बारे में कोई इनपुट नहीं दिया गया और बाद में बवाल हो गया। जबकि पूर्व के वर्षों में रड़की एवं आसपास के क्षेत्रों में आतंकी घटनाओं में शामिल रहे अपराधी पकड़े जा चुके हैं।

नशा के खिलाफ राष्ट्रीय सेमिनार 31 मई को, पंजाब के राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि : डॉ मलिक

पंचकूला, 29 मई (एजेंसियां)। जाट सभा चंडीगढ़/पंचकूला के अध्यक्ष एवं हरियाणा के पूर्व पुलिस महानिदेशक डॉ महेंद्र सिंह मलिक ने बताया कि 31 मई को नशा के खिलाफ जागरूकता फ़ैलाने हेतु यहां जाट भवन में राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जाएगा। इसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। डॉ मलिक ने बताया कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया मुख्य अतिथि होंगे जबकि अध्यक्षता पूर्व सांसद एवं भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल सत्यपाल जैन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस सेमिनार में सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन लोकर, असम के पूर्व डीजीपी केसी रेड्डी, लैफ्टिनेंट जनरल सुखदीप सिंह सांगवान, भारत के अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल डीपी सिंह, पूर्व डीजीपी डॉ के पी सिंह, डॉ एच के बाली, भारत सरकार के स्यूंक्त सचिव डॉ अमरप्रीत दुग्गल, सीनियर ड्रग कंट्रोलर सुश्री सारिका मलिक, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के समाज शास्त्र विभाग के चैयरपर्सन प्रोफेसर विनोद कुमार, बीच-रेसलिंग इंडिया के प्रेजिडेंट रोहनराज सिंह नौदल मुख्य वक्ता के तौर पर अपने विचार रखेंगे। इसी प्रकार ,नारकोटिक्स कान्ट्रोल ब्यूरो के महानिदेशक अनुराग गर्ग, चंडीगढ़ के डीजीपी डॉ। सागर प्रीत हुड़ा तथा सेवाविभूत आईपीएस जी एस मल्टी पैर्नैलिस्ट के तौर पर युवाओं को नशा के खिलाफ जागरूक करेंगे।

शर्मनाक ! ट्रेन के टॉयलेट में धुल रहे थे बर्तन का वीडियो वायरल एफएसएसएआई ने आईआरसीटीसी को जारी किया नोटिस



नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) ने इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन यानी आईआरसीटीसी को नोटिस जारी किया है। नोटिस भेजने की वजह सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में आरोप है कि ट्रेन नंबर 12223एलटीटी-ईआरएस दूरंतो एक्सप्रेस में कैटरिंग स्टाफ ट्रेन के टॉयलेट में बर्तन धो रहा था। एफएसएसएआई ने कहा कि यह खाद्य

यूपी-महाराष्ट्र समेत चार राज्यों के 12 ठिकानों पर छापेमारी

ड्रोन हथियार तस्करी नेटवर्क पर शिकंजा



नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने एक बड़े आतंकी नेटवर्क के खिलाफ देशभर में व्यापक कार्रवाई शुरू की है। एजेंसी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार और महाराष्ट्र में कुल 12 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर रही है। यह कार्रवाई उस मामले से जुड़ी है जिसमें पाकिस्तान से जुड़े एक ऑपरेटिव जसवीर चौधरी और उसके भारतीय सहयोगियों को ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और आईईडी (आईईडी) की बड़ी खेप भारत में भेजने का आरोप है। एनआईए की टीमें यूपी में 5, राजस्थान में 2, बिहार में 2 और महाराष्ट्र में 3 स्थानों पर तलाशी अभियान चला रही हैं। इस दौरान डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और संदिग्ध सामग्री की जांच की जा रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, यह नेटवर्क भारत-पाकिस्तान सीमा के जरिए ड्रोन का इस्तेमाल

टीसीएस केस में दूसरी चार्जशीट दाखिल 2000 पन्नों में पुलिस ने खोले कई राज

नासिक, 29 मई (एजेंसियां)। टीसीएस से जुड़े कथित कार्यस्थल यौन उत्पीड़न, महिलाओं की मर्यादा भंग, धर्म परिवर्तन के प्रयास और धार्मिक भवनाएं आहत करने के गंभीर मामलों में नासिक सिटी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने शुक्रवार को दूसरी चार्जशीट दाखिल कर दी। इस चार्जशीट में करीब 2000 पन्ने शामिल हैं, जिसे अदालत में पेश कर दिया गया है। नासिक पुलिस सूत्रों के अनुसार, महिला पीड़ितों की शिकायतों पर मुंबई नाका पुलिस स्टेशन और देवगली कैप पुलिस स्टेशन में कुल 9 अपराधिक मामले दर्ज किए गए थे। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया था।

मुंबई नाका थाने में दर्ज 8 मामलों में वर्ष 2026 के दौरान भारतीय न्याय संहिता (वीनएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इनमें यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़, अपराधिक धमकी और जानबूझकर अपमान संबंधी गंभीर धाराएं शामिल हैं। आरोपियों में राजा रफीक मेमन, शाह रुख हुसैन शौकत कुरैशी, अश्विनी अशोक चैनानी, तौसिफ बिलाल अन्तार, शफी भिकन शेख, दानिश एजाज शेख, निदा एजाज खान और आसिफ अलिल अन्तार शामिल हैं।

'बैंक की गलती का स्वामियाजा विधवा पेंशनधारक नहीं भुगतेगी' दिल्ली एचसी का एसबीआई को 3.6 लाख लौटाने का आदेश

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को एक विधवा पेंशनधारक से वसूली गई 3.6 लाख रुपये की राशि ब्याज सहित लौटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि अतिरिक्त पेंशन का भुगतान बैंक की प्रक्रिया संबंधी गलती के कारण हुआ था, न कि महिला की किसी धोखाधड़ी, गलत जानकारी या तथ्यों को छिपाने की वजह से। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने इंद्रा नामक महिला की याचिका स्वीकार करते हुए एसबीआई को पहले से काटी गई राशि 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ वापस करने का आदेश दिया। साथ ही बैंक को आगे किसी भी तरह की वसूली करने से भी रोक दिया। मामले के अनुसार, याचिकाकर्ता के



पति, जो सरकारी कर्मचारी थे, का वर्ष 2003 में सेवा के दौरान निधन हो गया था। इसके बाद दिल्ली सरकार की ओर से जारी पेंशन भुगतान आदेश के आधार पर महिला को एसबीआई शाखा के माध्यम से पारिवारिक पेंशन दी जा रही थी। कुछ समय बाद महिला ने देखा कि उसकी मासिक पेंशन में अचानक भारी कटौती हो रही है। पूछताछ करने पर बैंक ने बताया कि पेंशन रिकॉर्ड

पूर्व कांग्रेस विधायक रावत के वाहन पर पथराव, बेटे ने कहा- गन शॉट से किया गया हमला

बड़वानी, 29 मई (एजेंसियां)। बड़वानी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रदेश कांग्रेस महासचिव और पूर्व विधायक ग्यारसीलाल रावत के वाहन पर दर रात हुए पथराव से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। घटना वरला थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, जबकि परिजनों ने उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई है। रावत के बेटे ने आशंका जताई है कि पापा के वाहन पर गन शॉट से हमला किया गया है। उन्होंने फॉरेंसिक जांच की मांग की है। बता दें, रावत प्रदेश कांग्रेस महासचिव भी है। संधवा एसडीओपी अजय वाघमर्से ने बताया कि पूर्व विधायक ग्यारसीलाल रावत की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

जांच में खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान स्थित गैंगस्टर से आतंकी बने शाहजाद भट्टी के इशारे पर भारत में पुलिस ठिकानों को निशाना बनाने की साजिश रची गई थी। आरोपियों पर गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए), भारतीय न्याय संहिता और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआईए के मुताबिक, सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं को कटुपंथ की ओर धकेलकर इस नेटवर्क से जोड़ा गया था। एजेंसी फिलहाल फरार आरोपियों और इस साजिश से जुड़े अन्य लिंक की तलाश में जुटी हुई है।

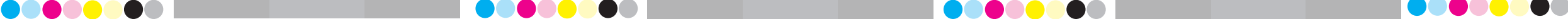
अस्पताल के बाथरूम में रोता मिला नवजात

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)। मुंबई के घाटकोपर स्थित राजावाड़ी अस्पताल में इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। अस्पताल के बाथरूम में एक नवजात शिशु लावारिस हालत में फर्श पर पड़ा मिला। मासूम की रने की आवाज सुनकर उसकी जान बचाई जा सकी। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। फिलहाल तिलक नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर नवजात को छोड़कर फरार हुई महिला की तलाश शुरू कर दी है। मुंबई पुलिस के अनुसार, 25 मई की रात तिलक नगर पुलिस स्टेशन में तैनात पुलिस हवलदार जितेंद्र विष्णु पाटिल की ड्यूटी राजावाड़ी अस्पताल के केंजुअल्टी विभाग में लगी हुई थी। रात करीब 9 बजे विष्णु श्रीराम पटेल नाम का एक युवक चबराई हुई हालत में उनकी पास पहुंचा और बताया कि बाई नंबर-40 के सामने स्थित बाथरूम में एक नवजात बच्चा रो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे।

बाथरूम का दृश्य देखकर सभी सन्ना रह गए। वहां एक नवजात बालक ठंडे फर्श पर बेसहारा पड़ा लगातार रो रहा था। इसके बाद तुरंत अस्पताल की नर्सों को बुलाया गया। नर्सिंग स्टाफ और युवक विष्णु पटेल की मदद से बच्चे को उठाकर साफ किया गया और तत्काल एनआईसीयू में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, समय पर इलाज मिलने से नवजात की जान बच गई। फिलहाल उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है और वह डॉक्टरों की निगरानी में है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि अस्पताल के रिकॉर्ड में किसी महिला के प्रसव का उल्लेख नहीं मिला है।

मां ने 12 लाख में किया बेटी का सौदा फिर सौतेले पिता सहित 3 ने किया रेप

राजगढ़, 29 मई (एजेंसियां)। एमपी के राजगढ़ जिले में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक घटना सामने आई है, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। 12 साल की बेटी को उसके सौतेले पिता और मां ने 12 लाख रुपये में बेच दिया। आरोपियों ने बच्ची के साथ कई दिनों तक रेप किया। पुलिस ने मामले में कुल 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं मुख्य आरोपी अभी फरार है। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार पीड़ित बच्चे के पिता की मौत अधिक शराब पीने के कारण जनवरी 2025 में हो गई थी। इसके बाद उसकी मां ने गुना जिले के निवासी पवन उर्फ परमाल गुर्जर से दूसरी शादी कर ली थी।



एडवोकेट खाजा मोईजुद्दीन हत्या मामले में आरोपियों की हुई गिरफ्तारी वक्फ संपत्तियों और प्रबंधन को लेकर चल रहा था विवाद



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । नामपल्ली पुलिस स्टेशन, खैराबाद जोन, हैदराबाद सिटी पुलिस द्वारा एडवोकेट खाजा मोईजुद्दीन की हत्या में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी की गई

है। बीते 23 मई को सुबह लगभग 8:30 बजे एम.एस. फरहान , पेशा-एडवोकेट, निवासी मसाब टैंक, हैदराबाद की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत में बताया गया कि 23 को सुबह लगभग 5:45 बजे

उनके पिता एडवोकेट खाजा मोईजुद्दीन रोजाना की तरह स्विमिंग के लिए घर से निकले थे और अपने घर के सामने खड़ी गाड़ी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक अज्ञात चारपहिया वाहन तेज रफ्तार से आया और जानबूझकर उन्हें जोरदार टक्कर मारी, जिससे वे लगभग 10 मीटर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तुरंत महावीर अस्पताल और बाद में यूडीआईओमनी अस्पताल, अबिड्स, हैदराबाद ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मृत्यु

हो गई। शिकायत के आधार पर पहले थाना नामपल्ली में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। बाद में घायल की मृत्यु होने पर धाराओं को बदलकर कर दिया गया। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त वीसी सज्जानार ने बताया कि जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट हुआ कि हरे रंग की महिंद्रा स्कॉर्पियो (बिना नंबर प्लेट) वाहन ने जानबूझकर मृतक के घर के पास रुककर तब टक्कर मारी जब वे अपनी गाड़ी में बैठने जा रहे थे। घटना के बाद आरोपी वाहन मौके से फरार हो गया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी अलग-अलग स्थानों पर सीसीटीवी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पहचाने गए। सीपी ने कहा कि जांच में पता चला कि आरोपी मुजाहिद आलम खान के परिवार और मृतक एडवोकेट खाजा मोईजुद्दीन के बीच वक्फ संपत्तियों और प्रबंधन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। दोनों पक्षों के बीच कई सिविल, क्रिमिनल और वक्फ ट्रिब्यूनल केस लंबित थे। आरोपियों को लगता था कि मृतक उनके खिलाफ चल रहे मामलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, जिससे उन्हें कानूनी नुकसान हो रहा है। इसी रजिश्त्र के चलते हत्या की साजिश रची गई।

जांच में सामने आया कि मुजाहिद आलम खान उर्फ बाबा और उनके पिता महबूब आलम खान ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर 15 लाख रुपये की सुपारी देकर हत्या की योजना बनाई। इसके लिए किशन उर्फ पप्पू, विनय, अभिजीत उर्फ नानी, विक्रम उर्फ चिंटू सहित अन्य आरोपियों की मदद ली गई। जनवरी 2026 से आरोपियों ने लगातार मृतक की गतिविधियों की रेकी की और सही समय व स्थान का चयन किया। 23 मई को योजना के अनुसार स्कॉर्पियो वाहन से टक्कर मारकर हत्या की गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए और सबूत मिटाने का प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी किशन को पानीपत (हरियाणा) से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर अन्य आरोपियों को हैदराबाद के विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के पास से नकदी, मोबाइल फोन और अपराध में प्रयुक्त स्कॉर्पियो वाहन बरामद किया गया है। पुलिस ने बताया कि अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है तथा मामले की जांच आगे बढ़ रही है।



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंजीनियरिंग कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी ईसीईटी) 2026 के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए गए। परीक्षा में कुल 93.60 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल रहे। परीक्षा की 11 विभिन्न स्ट्रीम में कुल 17,870 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 16,726 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो. वी. बालाकिस्ता रेड्डी ने उम्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम. कुमार तथा टीजी ईसीईटी 2026 के संयोजक प्रो. पी. चंद्र शेखर के साथ परिणाम घोषित किए। परिणाम आधिकारिक वेबसाइट पर

उपलब्ध करा दिए गए हैं। विभिन्न स्ट्रीम के टॉपर्स में नलगोंडा के रुपाणी नरेंद्र (केमिकल इंजीनियरिंग), जगितियाल के कंडलापेल्ली संतोष (सिविल इंजीनियरिंग), कोमुरम भीम आसिफाबाद की गवुथरे अस्मिथा (सीएसई), महबूबाबाद के अकुला विष्णु मूर्ति (ईसीई), हनमकोंडा के कादिदेला बन्नी (ईईई), मेडचल के पी गुना साई गणेश (ईआईई) और आंध्र प्रदेश के कुपिली निखिल कुमार (मैकेनिकल इंजीनियरिंग) शामिल रहे। इसके अलावा रांगरेड्डी जिले के एडुनूरी पुनीत (धातु विज्ञान अभियांत्रिकी), पेदापल्ली के समाला महेश (खनन अभियांत्रिकी), मेडचल के

ससिविल्ली शनुमख (बीएससी गणित) तथा निजामाबाद की सिद्धा रूही (फार्मेसी) ने भी अपने-अपने क्षेत्रों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रो. बालाकिस्ता रेड्डी ने बताया कि प्रवेश परामर्श की अधिसूचना जून के पहले सप्ताह में जारी की जाएगी। नामांकन प्रक्रिया जून के अंत तक पूरी कर ली जाएगी और जुलाई के पहले सप्ताह से कक्षाएं शुरू होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में 179 कॉलेजों की कुल 21,200 सीटों में से 10,899 सीटों पर प्रवेश हुआ था। वर्ष 2026-27 में भी लगभग इतनी ही सीटें उपलब्ध रहने की उम्मीद है।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर अंतरराज्यीय ड्रग रैकेट का भंडाफोड़

दो तस्कर गिरफ्तार, 18 लाख से अधिक का गांजा बरामद
हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद सरकारी रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से लगभग 18.18 लाख रुपये मूल्य का गांजा बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पुणे में कार्यरत डेटा इंजीनियर सुधांशु कुमार तथा बिहार निवासी सुमन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी ओडिशा के संबलपुर से सिकंदराबाद के रास्ते कर्नाटक के वाड़ी तक गांजे की तस्करी कर रहे थे। उन्हें महाराष्ट्र से संचालित अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्करी ने इस काम के लिए भर्ती किया था और प्रत्येक खप की दुलाई के बदले 10 हजार रुपये देने का वादा किया गया था।

बताया गया कि आरोपी नागवली एक्सप्रेस ट्रेन से ट्रॉली बैग और बैकपैक में गांजा भरकर ले जा रहे थे। रेलवे पुलिस की जांच गतिविधियों को देखकर दोनों आरोपी चारलापल्ली स्टेशन पर ट्रेन से उतर गए और आगे की यात्रा जारी रखने से पहले दो दिनों तक एक लॉज में ठहरे रहे। सूचना मिलने पर पुलिस ने उन्हें सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पहुंचने से पहले ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक इस गिराह के दो कथित सरगना अभी फरार हैं और उनकी तलाश जारी है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, PANUGOTHU RAYNA,F/O: HAV PANUGOTHU SRINU, R/O: H.NO.4-30/B, YAYAPUR, JALALPUR, BOMMALARAMA- RAM, NALGONDA, TELANGANA - 508126 have changed my name from PANUGOTHU RAYNA and Date of Birth :01/07/1964,to PANUGOTHU RAJU and DOB is 01-01-1967 vide Affidavit dt.27-05-2026.

I, JC 778042L, Sub, A Martin, R/o, Dist: Tiruchirappalli, Tamil Nadu, changed my Father's name from Anjal Raj to Amalraj B vide Affidavit No. 466945 dt. 29.05.2026, before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14684813M, Hav, Jagdish,R/o, Dist: Betul, Madhya Pradesh, changed my Mother's name from Dewana Bai to Devna Gohite vide Affidavit No. 466934 dt. 29.05.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

आईआईटी मद्रास ने विकसित किया इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल

फाइब्रोसिस उपचार में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद
हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईटी मद्रास के वैज्ञानिकों ने एक इंजेक्टेबल हाइड्रोजेल विकसित किया है, जो फाइब्रोसिस और अन्य दीर्घकालिक अपक्षयी रोगों के उपचार में बड़ा बदलाव ला सकता है। यह तकनीक बार-बार दवा देने की आवश्यकता को कम करते हुए केवल एक स्थानीय खुराक से लंबे समय तक उपचार संभव बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। यह नवाचार आईआईटी मद्रास के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की टिरुथू इंजीनियरिंग और बायोमेटेरियल्स प्रयोगशाला में विकसित किया गया है। इसे एंटीफाइब्रोटिक और एंटी-इंफ्लेमेटरी दवाओं को प्रभावित हिस्से तक सीधे, नियंत्रित और निरंतर रूप से पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है।

इस पेटेंट तकनीक की विशेषता यह है कि इसमें रेशम के कोकून और समुद्री शैवाल से प्राप्त प्राकृतिक जैव-सामग्रियों का उपयोग किया गया है, जो जैव-अनुकूल और जैव-अपघटनीय हैं।

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना सरकार ने एक बार फिर अपने कर्मचारियों के कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की है।

इसने अपने वादों को महज शब्दों तक सीमित नहीं रखा है, बल्कि उन्हें कार्यों में तब्दील किया है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने इससे पहले कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेताओं को आश्वासन दिया था कि कर्मचारियों के 6,000 करोड़ रुपये के लंबे समय से लंबित बकाया का भुगतान 100 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। इस

प्रतिबद्धता के अनुरूप आगे बढ़ते हुए, वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के निर्देशों के तहत, वित्त विभाग के विशेष मुख्य सचिव संदीप कुमार सुलतानिया ने शुक्रवार को पहले चरण में 2,000 करोड़ रुपये जारी करने के आदेश जारी किए। जारी की गई धनराशि के साथ, सरकार ने सेवानिवृत्त कर्मचारियों से संबंधित प्रमुख लंबित बकाया राशि का पूर्ण भुगतान कर दिया है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि (जीपीएफ) की बकाया राशि का 100% भुगतान कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के मई

2025 तक लंबित सभी कन्यूटेशन बकाया का भी पूर्ण भुगतान कर दिया गया है। यह अग्रिम योजना और स्पष्ट कार्य रणनीति के माध्यम से संभव हो पाया है। वादे के मुताबिक, सरकार शेष 4,000 करोड़ रुपये निर्धारित समय सीमा के भीतर कर्मचारियों के खातों में जमा करने के लिए तेजी से काम कर रही है, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने एक नया मामला दर्ज किया है।

इस बीच, कर्मचारी संघ के नेताओं और सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने सरकार से सक्रिय दृष्टिकोण और त्वरित निर्णयों पर खुशी व्यक्त करते हुए जन सरकार को धन्यवाद दिया है।

एससीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने रामागुंडम-1 के संचालन की समीक्षा की सुरक्षा और उत्पादन संतुलन पर जोर दिया



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । सिराएणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. बुद्धप्रकाश ज्योति ने शुक्रवार को रामागुंडम-1 क्षेत्र का व्यापक दौरा किया और खदान उत्पादन, कर्मचारी कल्याण, सुरक्षा उपायों और विभिन्न सुविधाओं की समीक्षा की। इस दौरे के दौरान, सीएमडी ने जीडीके-11 इन्फ्राइन के कर्मचारियों, अधिकारियों और श्रमिकों से सीधे बातचीत की और कंपनी के विकास के लिए उनके सुझाव मांगे। इस संवाद सत्र में उन्होंने कंपनी की वर्तमान स्थिति, कोयला उत्पादन बढ़ाने के उपाय, उत्पादकता, गुणवत्ता सुधार और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। मुख्य प्रबंधक ने कहा कि सिराएणी का समृद्ध अनुभव, अनुशासन और सामूहिक कार्य संस्कृति इसे एक अनूठा संगठन बनाती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कंपनी उत्पादन वृद्धि के साथ-साथ कर्मचारियों के कल्याण और सुरक्षा को भी समान महत्व देती है। इस अवसर पर, सीएमडी ने खदान में स्थापित 5वें व्यक्ति की सवारी प्रणाली का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली कर्मचारियों को खदान की सतह और भूमिगत कार्यस्थलों

के बीच सुरक्षित, त्वरित और आरामदायक यात्रा करने में सक्षम बनाएगी, जिससे श्रमिकों पर शारीरिक तनाव काफी कम हो जाएगा। बुद्धप्रकाश ज्योति ने मैन राइडिंग सिस्टम की स्थापना और अन्य विकासवात्मक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया और उनके समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना की। इस अवसर पर बोलते हुए, निदेशक (संचालन) एलवी सुरेनारायण ने कहा कि उत्पादकता और खनिज खनन के मामले में जीडीके-11 सिराएणी की दूसरी सबसे बड़ी खदान है। उन्होंने अधिकारियों को उत्पादन लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए परिचालन लागत को कम करने के लिए

आधुनिक मशीनों का प्रभावी उपयोग करने की सलाह दी। परियोजना एवं योजना निदेशक के. वेंकटेश्वरलू ने कर्मचारियों से खदान को शून्य घाटे की स्थिति में लाने और लाभदायक संचालन सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आग्रह किया। बाद में, सीएमडी ने जीडीके-5 ओपनकास्ट खदान का दौरा किया और कोयला और ऊपरी परत के उत्पादन, परिवहन, मशीनरी के उपयोग और उत्पादकता की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा, दक्षता और गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का निर्देश दिया। इसके बाद सीएमडी ने रामागुंडम-1 क्षेत्र स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम का दौरा किया और कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए उपलब्ध खेल एवं मनोरंजन सुविधाओं का निरीक्षण किया।

Admin-12011(14)/6/2025-eoffice
Government of India
Ministry of Health and Family Welfare
Department of Health and Family Welfare
(Drugs Section)

Central Drugs Standard Control Organisation invites application from eligible candidates for filling up the post as mentioned below at Central Drugs Standard Control Organisation on deputation basis. The last date for receiving the applications will be within 60 days from the date of publication of this advertisement.

2. For further details please visit CDSCO's websitehttps://cdsco.gov.in

Sl.No.	Name of the Post	Pay as per 7 th CPC	No. of Post	Office for which the posts is filled up
1.	Head Clerk, Non-Gazetted, Non-112400) of pay matrix of Ministerial	(Rs.35400 - 7 th CPC	04	Central Drugs Standard Control Organisation

Director (Admn.)
CDSCO, HQ, Director General Health Services,
FDA Bhawan, Kotla Road, New Delhi - 110002

cbc17194/11/0003/2627

फर्जी बायबैक योजना से करोड़ों की ठगी का आरोप रोहित इंफ्रा के निदेशकों पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबरबाद की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने रोहित इंफ्रा के निदेशकों के खिलाफ फर्जी बायबैक वादों और उच्च लाभ वाली योजनाओं के जरिए निवेशकों से करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी करने के आरोप में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, कंपनी ने सगारड्डी जिले के मुनिपल्ली और पोलकम्पल्ली गांवों में अपनी 'बोटेनिकल इको-लिविंग स्पेसेस'

परियोजना का प्रचार किया था। कंपनी की ओर से निवेशकों को 24 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न और गारंटीकृत बायबैक विकल्प का आश्वासन दिया गया था। सूरुनगर निवासी एक शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कंपनी के प्रतिनिधियों के आश्वासन पर उन्होंने वर्ष 2023 में 43.75 लाख रुपये का निवेश किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, कंपनी ने बायबैक समझौते के तहत बिक्री दस्तावेज

और पोस्ट डेटेड चेक जारी किए थे, लेकिन निर्धारित समय सीमा पूरी होने के बाद भी वादा किया गया भुगतान नहीं किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि करीब 11 निवेशकों ने इसी प्रकार के लेन-देन में सामूहिक रूप से लगभग 4.52 करोड़ रुपये का नुकसान उठाया है। शिकायत का आधार पर ईओडब्ल्यू अधिकारियों ने कंपनी के निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंस्टाग्राम के जरिए नाबालिग से ठगी और उत्पीड़न का आरोप मुख्य आरोपी के दोस्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। इंस्टाग्राम के माध्यम से प्यार का झांसा देकर युवा लड़कियों को ठगने के आरोप में चंद्रशेखर आजाद उर्फ अर्जुन से जुड़े मामले में जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में एक नया मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी अर्जुन के एक दोस्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, जगदगिरिगुडु निवासी जितेंद्र रेड्डी उर्फ जिथिन ने वर्ष 2024 में इंस्टाग्राम के जरिए केपीएचबी क्षेत्र की 15 वर्षीय

छात्रा से संपर्क स्थापित किया था। पीड़िता दसवीं कक्षा की छात्रा बताई गई है। बताया गया कि शुरुआत में आरोपी ने दोस्ताना बातचीत की और बाद में उसे जुबली हिल्स स्थित एक 'ड्राइव-इन' रेस्तरां में ले गया, जहां उसने अनुचित व्यवहार किया। आरोप है कि बाद में उसने लड़की को तस्वीरों सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देकर उसे मियापुर के एक होटल में ले जाकर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने पीड़िता की

निजी तस्वीरों का दुरुपयोग करते हुए उससे 24.8 लाख रुपये की उगाही भी की। इसके अलावा उसके दोस्तों पर भी लड़की को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने तथा उसकी निजी तस्वीरें और झूठी जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित करने का आरोप है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने गुरुवार रात पेहम्मा मंदिर के पास से जिथिन को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

पाँचवी पुण्यतिथि

स्व. श्रीमती जमनीबाई देवड़ा
धर्मपत्नी : स्व.श्री देवारामजी देवड़ा
(मरुधर मे गजनीपुरा) स्वर्गवास: 30 मई 2021

प्रेम आपका था हम पर, करते हैं नमन आपको।
श्रद्धा के सब सुमन समर्पित, रखेंगे सदैव स्मरण आपको॥

श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता: सोहनलाल-धँवरीबाई, जसवन्तकुमार-सुरीलादेवी, महेन्द्रकुमार-सुरीलादेवी, ओमप्रकाश-सीतादेवी (पुत्र-पुत्रवधु), प्यारीबाई-नेन्द्रकुमारजी परिहार, कमलाबाई-मांगीलालजी मुलैवा (पुत्री-जंवाई), डॉ.नवीन-निर्मला, निर्मल-सोनिया, राजेश-संजु (पौत्र-पौत्रवधु), प्रेम, उमेश, केतन (पौत्र), संतोषी-जयंतीलालजी सेनचा, शोभा-मोहनलालजी गहलोत, सरोज-तरुणजी सोलंकी, दीपिका-अशोकजी परिहार, मंजु-उपेन्द्रजी सोयल, सरिता-दिनेशजी पंवार, (पौत्री-जंवाई), जया, टीना (पौत्री), कर्तव (पड़ोसी) एवं समस्त देवड़ा परिवार

फर्म : श्री दुर्गा पोलीमर्स-फालना. जे.एन.पेन्ट्स हाईटेयर-टोली चौकी.
शिव शक्ति एन्टरप्राइजेज-कुतबुलापुर

ASHIRVAD DISTRIBUTION PARTNER:
SRI JAI BHAVANI MARKETING - HYDERABAD & WARANGAL
महेंद्र चौधरी, Ph.No: 9440067447, 9676136053, 9398475203
email: srijaibhavanimarketing@gmail.com

नेतन्याहू का गाजा के 70% हिस्से पर कब्जे का आदेश

तेल अवीव, 29 मई (एजेंसियां)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी के 70% हिस्से पर सैन्य नियंत्रण लेने का आदेश दिया है। वेस्ट बैक में गुरुवार को एक कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने कहा, हम इस समय हमاس को दबा रहे हैं। अब हम गाजा पट्टी के 60% इलाके को कंट्रोल करते हैं। पहले हम 50% पर थे, फिर 60% पर पहुंचे। मैंने आदेश दिया है कि इसे बढ़ाकर तभी भीड़ में से किसी ने चिल्लाकर कहा, 100%। इस पर नेतन्याहू ने कहा, एक-एक कदम आगे बढ़ते हैं। पहले 70% तक पहुंचते हैं। फिलहाल वहीं से शुरुआत करते हैं। हम हर तरफ से उन पर दबाव बना रहे हैं और बाकी बचे लोगों से भी निपटेंगे।"

इजराइल का एक्शन सीजफायर शर्तों के खिलाफ

यह कदम अक्टूबर 2025 में हुए युद्धविराम समझौते की शर्तों के विपरीत माना जा रहा है। समझौते के तहत इजराइली सेना

लोग बोले– 100% कंट्रोल में लो इजराइली पीएम बोले– धीरे–धीरे करेंगे



को एक तय 'येलो लाइन' के पीछे हटना था। इस लाइन के बाद गाजा का करीब 53% हिस्सा इजराइल के नियंत्रण में था।

हमसा का आरोप है कि इजराइल चुपचाप इस सीमा को और अंदर खिसका रहा है। अब कई रिपोर्टों के मुताबिक गाजा के करीब 60 से 64% इलाके पर इजराइल का नियंत्रण है।

इजराइल-हमस के बीच शांति योजना के अगले चरण में हमस के हथियार छोड़ने और इजराइली सेना की वापसी का प्रस्ताव है,

लेकिन दोनों पक्षों के बीच बातचीत फिलहाल ठप पड़ी हुई है।

22 लाख लोगों को एक-तिहाई हिस्से में रहना पड़ सकता पहले से ही युद्ध, बमबारी और लगातार विस्थापन की वजह से गाजा के ज्यादातर इलाके तबाह हो चुके हैं। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर इजराइल 70% इलाके पर कब्जा कर लेता है, तो गाजा के करीब 22 लाख लोगों को कुल जमीन के एक-तिहाई से भी कम हिस्से में रहना पड़ेगा।

यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस के विजिटिंग फेलो मुहम्मद शेहादा ने कहा कि हालात पहले ही बेहद खराब हैं। उनके मुताबिक, "हर खाली जगह पर विस्थापित परिवारों के टेंट लगे हैं। अगर इलाका और छोटा हुआ, तो बड़ी संख्या में लोगों के पास

रहने की जगह ही नहीं बचेगी।"

सीजफायर के बावजूद 900 फिलिस्तीनियों की मौत

इजराइल-हमस के बीच अक्टूबर 2025 में सीजफायर का ऐलान हुआ था। 7 महीने बीतने के बाद भी इजराइली सेना गाजा में हमले कर रही है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि आसपास बड़े इलाके को नो-मैन्स-लैंड घोषित कर दिया है। यहां किसी भी गतिविधि को खतरा मानकर कार्रवाई की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की हालिया ब्रीफिंग में भी बताया गया कि उत्तरी गाजा के ज्वालिया इलाके में टैकों की आवाजही लगातार बढ़ रही है और ड्रोन किसी भी हलचल को निशाना बना रहे हैं।

महिला बाल विकास विभाग की आईडी हैक

जगदलपुर, 29 मई (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग की आईडी हैक कर प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में करीब 60 लाख रुपए की हेराफेरी का मामला सामने आया है। सीजफायर के बावजूद 900 फिलिस्तीनियों की मौत

महिला एवं बाल विकास विभाग से जुड़ी आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल कर योजना पोर्टल में फर्जी एंट्री किए जाने का खुलासा हुआ है। आरोप है कि फर्जी हितग्राहियों के नाम पर करीब 60 लाख रुपए की राशि अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर निकाल ली गई। प्रारंभिक जांच में 1400 से अधिक फर्जी हितग्राहियों के पंजीयन की बात सामने आई है। बताया जा रहा है कि विभागिया पोर्टल में फर्जी बैंक खाते जोड़कर लंबे समय से राशि निकाली जा रही थी।

अमेरिका में 250 डॉलर के नोट पर ट्रम्प की तस्वीर

150 साल पुराना नियम बदलने की तैयारी, संसद की मंजूरी बाकी



कुछ गलत नहीं है। हालांकि फिलहाल यह सिर्फ प्रस्ताव है और इसे लागू करने के लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी होगी।

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रम्प प्रशासन ने अमेरिकी करेंसी बोर्ड को नए 250 डॉलर के नोट पर ट्रम्प की तस्वीर नोट के बीच में रखी गई है।

ट्रम्प की तस्वीर वाले 250 डॉलर के नोट का प्रस्ताव पिछले

साल साउथ कैरोलिना के रिपब्लिकन सांसद जो विल्सन ने पेश किया था। फरवरी 2025 में इस बिल को हाउस फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के पास भेजा गया था। अब इसे कानून बनने के लिए हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स और सीनेट दोनों से मंजूरी लेनी होगी। इससे पहले मार्च में अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने घोषणा की थी कि अमेरिकी नोटों पर ट्रम्प की हस्ताक्षर भी जोड़े जाएंगे। इसे अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ समारोह से जोड़कर देखा जा रहा है। ट्रेजरी विभाग के प्रवक्ता ने

मोदी के घर भेजा ड्रोन, भारत के 8 विमान मार गिराए

बंकर में छिपने वाले पाकिस्तानी राष्ट्रपति का ताजा झूठ

इस्लामाबाद, 29 मई (एजेंसियां)। इस्लामिक देश पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने गौदइभभकी देते हुए कहा है कि पाकिस्तान ने भारत के 8 विमान गिरा दिए थे। आसिफ अली जरदारी एक कार्यक्रम में डींगें हांक रहे थे। बिल्कुल शोले फिल्म की तरह दृश्य था जहां सूरमा भोपाली जय और वीरू को पकड़ने की डींगें हांक रहा और दोनों को देखकर उसकी धिम्धी बंध जाती है। आसिफ अली जरदारी ने खुद कहा था कि भारतीय हमलों के वक्त पाकिस्तानी सेना ने उनसे बंकर में चले जाने के लिए कहा था। रिपोर्टर्स के मुताबिक जरदारी जब तक जंग चली तब तक वो बंकर में छिपे रहे।

लेकिन अब एक वर्ष बीतने के बाद आसिफ अली जरदारी ने दावा किया पाकिस्तान ने 8 भारतीय विमानों को मार गिराया और भारतीय प्रधानमंत्री के आवास के ऊपर ड्रोन उड़ाए।



जबकि हकीकत ये है कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को तबाह किए और जब पाकिस्तान ने अपने आतंती ठिकानों पर हुए हमले के बाद भारतीय सैन्य ठिकानों पर पलटवार करने की कोशिश तो भारत ने उसके 11 एयरबेस तबाह कर दिए थे।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का एक भी ड्रोन या मिसाइल भारतीय सैन्य ठिकानों पर नहीं गिरा था। जबकि हकीकत ये है कि पाकिस्तान का ये दावा पूरी तरह से झूठ है। किसी भी आधुनिक युद्ध में जब कोई लड़ाकू विमान गिरता है तो उसका मलबा,

पायलट की स्थिति और ब्लैक बॉक्स जैसी चीजें अंतरराष्ट्रीय मीडिया के सामने फौरन आ जाती हैं। पाकिस्तान इस कथित '8 विमानों' के मलबे का एक टुकड़ा भी दुनिया के सामने पेश नहीं कर पाया। जब अंतरराष्ट्रीय मीडिया पिछले साल पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से इसके सबूत मांगे तो उन्होंने कहा था कि सबूत सोशल मीडिया पर मौजूद हैं। जरदारी ने दावा कर दिया कि पाकिस्तान के घातक ड्रोनो ने नई दिल्ली में भारत के प्रधानमंत्री आवास के ऊपर उड़ान भरी। जबकि भारत ने पाकिस्तान के हर एक ड्रोन और मिसाइल को मार गिराया था। जबकि भारत का एक फतह मिसाइल को हरियाणा के सिरसा के ऊपर भारतीय बराक एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया था। जबकि भारत ने जिन 11 पाकिस्तानी एयरबेस पर सटीक मिसाइल हमले किए थे उसकी सैटेलाइट तस्वीरें पूरी दुनिया ने देखी।

भूपेश बोले–हाईकमान ने कभी इस्तीफा नहीं मांगा

सिंहदेव ने कहा–बंद कमरे में हुई बातों की मर्यादा रखना राजनीतिक दायित्व

रायपुर, 29 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार के समय चला 'ढाई-ढाई साल फॉर्मूला' फिर राजनीतिक चर्चा के केंद्र में आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस हाईकमान ने उनसे कभी इस्तीफा नहीं मांगा।

दरअसल, सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान किया। इसके बाद छत्तीसगढ़ में भी 2018 के बाद चली कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान और सत्ता बदलाव की चर्चाएं फिर तेज हो गईं। रायपुर में मीडिया से बातचीत में भूपेश बघेल ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के पहले दिन से ही उनसे पूछा जाता था कि क्या वे सिर्फ ढाई साल के लिए मुख्यमंत्री बने हैं। भूपेश बघेल ने कहा, जिस दिन मुख्यमंत्री बना, उसी दिन कहा



था कि अगर हाईकमान का फोन आ जाए तो मैं उसी वक्त इस्तीफा दे दूंगा। पांच साल तक कोई निर्देश नहीं मिला।

पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी, उसे निभाया। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि विश्वक लगातार भ्रम फैलाता रहा। भूपेश बघेल के इस बयान पर पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि कई बातें बंद कमरे में होती हैं और उनकी मर्यादा रखना सभी का राजनीतिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि किसी कया जिम्मेदारी मिलेगी, यह फैसला हाईकमान करता है।

भारत के एस-400 को पाकिस्तान की चीनी मिसाइल ने तबाह किया

बेलग्रेड, 29 मई (एजेंसियां)। सर्बियाई राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक ने चीन की तारीफ में कसौदे पड़े हैं, वहीं भारत-पाक युद्ध को लेकर झूठ बोला है। वुसिक ने चीन से 400 किलोमीटर की मारक क्षमता वाली मिसाइलें खरीदने के पक्ष में बात करते हुए भारत-पाकिस्तान के मई, 2025 के संघर्ष का जिक्र किया। वुसिक ने बेवुनियाद दावा करते हुए कहा कि भारत के खिलाफ लड़ाई में पाकिस्तानी सेना चीनी मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए भारत को रूस से मिले एयर डिफेंस सिस्टम को नुकसान किया था।

एक इंटरव्यू में वुसिक कह रहे हैं कि सर्बिया ने चीन से झूठ पर मिसाइलें खूट पर खरीदीं और उन्हें एमआईजी-29 जेट्स में लगाया। उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में चीन के हथियारों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए दावा किया कि चीनी प्रणालियों ने भारत के S-400 रडार को नष्ट कर दिया था।



सर्बिया के राष्ट्रपति की वीडियो की सत्यता की पुष्टि नहीं हो सकी है। उनके दावे का कोई आधार नहीं है क्योंकि चीनी मिसाइलों को भारतीय एयर डिफेंस ने सफलता के साथ रोका था।

यूरोपीय देश सर्बिया चीनी सैन्य साजी-सामान का प्रमुख खरीद है। सर्बिया ने उन्नत वायु रक्षा प्रणालियों और ड्रोन की मदद से अपनी सशस्त्र सेनाओं का बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण किया है। सर्बिया ने हाल के वर्षों में

यूरोप में चीन के पिटू राष्ट्रपति का झूठा दावा

अपने कुल हथियारों के आयात का आधे से अधिक हिस्सा चीन से किया है। इसमें चीनी सीएम-400एकेजी मिसाइल भी शामिल हैं। सर्बिया ने चीन एयरोस्पेस साईंस एंड इंस्ट्रटी कॉर्पोरेशन की बनाई 'हाई-स्पीड सीएम-400एकेजी मिसाइलें खरीदी हैं, जिन्हें सर्बिया के सोवियत-निर्मित एमआईजी-29 लड़ाकू विमानों के हिसाब से ढाला गया है। सर्बिया के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक का

कहना है कि उनकी सेना पास इन मिसाइलों की काफी बड़ी संख्या है, जिसे वह और बढ़ा रहे हैं। चीन की सीएम-400एकेजी हवा से छोड़ी जाने वाली हाई-स्पीड एंटी-शिप मिसाइलें हैं। इसकी मारक क्षमता 100-250 किलोमीटर तक होने का दावा है। इसे समुद्री लक्ष्यों के साथ-साथ जमीन पर मौजूद स्थिर या धीमी गति से चलने वाले लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है। सीएम-400एकेजी के साथ-साथ सर्बियाई एमआईजी-29 विमानों में चीनी एलएस-6 प्रिसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम किट भी लगाए गए हैं। कई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि सीएम-400एकेजी मिसाइलों का पहला युद्धक इस्तेमाल 2025 के भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान हुआ था। पाकिस्तान ने इनका इस्तेमाल किया था।

ईरान का नया एयर डिफेंस सिस्टम अराश कितना ताकतवर ?

होर्मुज में गिराया 30 मिलियन डॉलर का अमेरिकी ड्रोन



रिपोर्ट में कहा गया है कि यह सिस्टम 'स्टीलथ-डिटेक्शन' (छिपी हुई चीजों का पता लगाने) की क्षमता रखता है। ईरान की ओर से इसके बारे में ज्यादा तकनीकी जानकारी नहीं दी गई। होर्मुज के पास अमेरिकी ड्रोन के खिलाफ किया गया यह ऑपरेशन ईरान की तरफ से एक साफ और निर्णायक संदेश है। इस ऑपरेशन को छिपी हुई क्षमताओं वाले एक सिस्टम का इस्तेमाल करके अंजाम दिया

मजबूत करने की कोशिश है। हवाई रक्षा को लेकर ईरान का नजरिया आधुनिक और एकीकृत नेटवर्क को बनाए रखने से कैदित है, जो लचीलेपन, सहनशक्ति और गतिशीलता को ध्यान में रखकर डिजाइन किए गए हों।

सुरक्षा विश्लेषक एलेक्स अल्मेडा ने अल जजीरा को बताया कि ईरान का नया एयर डिफेंस सिस्टम उसके मोबाइल और कम लागत वाले हवाई रक्षा प्लेटफॉर्म की ओर झुकाव को दिखाता है। यह सिस्टम किसी पारंपरिक हवाई रक्षा रडार साइट से मिलने वाले मार्गदर्शन पर निर्भर नहीं रहता। यह इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल या गर्मी-खोजने वाले मार्गदर्शन का इस्तेमाल कर रहा है। यह एक 'पॉप-अप' SAM (सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल) है, जिसे लॉन्च करना आसान है।

पार्षद ने किया ऑपरेटर का मर्डर

महासमुंद, 29 मई (एजेंसियां)। रायपुर के पार्षद ने 2 दोस्तों के साथ मिलकर मोनेट कर्पनी के ऑपरेटर की महासमुंद में हत्या कर दी। 22 मई की रात ग्राम नकटा में भुवनेश्वर यादव (31) ने नोहर दास (35) के साथ बैठकर शराब पी थी। नोहर मंदिर हसौद में निर्दलीय पार्षद है। इस दौरान उनके बीच मोहल्ले में पानी को लेकर विवाद हो गया। नशे में भुवनेश्वर ने नोहर दास को ये कहकर थप्पड़ मारा कि तू पार्षद बन गया है, तो बड़ा आदमी बन गया है। थप्पड़ से नाराज पार्षद ने अपने 2 साथियों संग मिलकर भुवनेश्वर को कार से महासमुंद ले गए। चलती कार में भुवनेश्वर की जमकर पिटाई की, जिससे उसकी मौत हो गई।

आरोपियों ने सबूत मिटाने के

लिए उसका शव महानदी किनारे रेत में दफना दिया था। 28 मई को पुलिस ने गड्डा खोदकर शव निकाला। मामला महासमुंद थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने पार्षद समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के मुताबिक, भुनेश्वर यादव (31) नकटी ग्राम का रहने वाला था। वह मोनेट कंपनी में ऑपरेटर के पद पर काम करता था। 22 मई की शाम से लापता था। परिवजनों ने मंदिर हसौद थाने में भुनेश्वर की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। घटना वाला दिन मंदिर हसौद की शराब भट्टी के पास भुनेश्वर दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। इसी दौरान पानी को लेकर उसका झगड़ा हो गया। बहस इतनी बढ़ी कि भुवनेश्वर और निर्दलीय पार्षद नोहर रात्रे के बीच गाली-गलौज हो गई।





अधिकमास की पूर्णिमा का व्रत रखने का क्या है महत्व?



हिंदू धर्म में अधिकमास (जिसे पुरुषोत्तम मास या मलयमास भी कहा जाता है) की पूर्णिमा का बहुत बड़ा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। अधिकमास हर तीन साल में एक बार आता है, इसलिए इस दौरान आने वाली पूर्णिमा का फल आम पूर्णिमा से कई गुना अधिक माना गया है। यह दिन पूरी तरह से भगवान श्रीहरि विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित होता है। इस साल 2026 में ज्येष्ठ अधिकमास चल रहा है।

अधिकमास पूर्णिमा: तिथि और शुभ मुहूर्त हिंदू पंचांग के अनुसार, इस बार पूर्णिमा तिथि दो दिनों तक व्याप्त रहेगी। व्रत और स्नान-दान के लिए तिथियां इस प्रकार हैं: **पूर्णिमा तिथि का आरंभ:** 30 मई 2026, शनिवार को सुबह 11:57 बजे से **पूर्णिमा तिथि की समाप्ति:** 31 मई 2026, रविवार को दोपहर 02:14 बजे तक पूर्णिमा व्रत और चंद्र पूजा: 30 मई 2026 (शनिवार) को रखी जाएगी, क्योंकि इस

रात को पूर्णिमा का चंद्रमा मौजूद रहेगा (चंद्रोदय का समय शाम 07:36 बजे है)। पूर्णिमा स्नान-दान: 31 मई 2026 (रविवार) को करना शास्त्र सम्मत और उत्तम माना जाएगा, क्योंकि इस दिन उदयातिथि में पूर्णिमा है। **अधिकमास की पूर्णिमा का महत्व** सर्वसिद्धिदायिनी तिथि: स्कंदपुराण और पद्मपुराण के अनुसार, अधिकमास की पूर्णिमा को 'सर्वसिद्धिदायिनी' माना गया है। इस दिन किए गए जप, तप और दान का पुण्य कभी खत्म नहीं होता। **श्रीहरि और महालक्ष्मी की कृपा:** अधिकमास के स्वामी स्वयं भगवान विष्णु/पुरुषोत्तम हैं। इस दिन उनकी पूजा करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं और धन-धान्य की कमी नहीं होती। मानसिक शांति और चंद्र दोष से मुक्ति: पूर्णिमा के दिन चंद्रमा अपनी सभी 16 कलाओं से पूर्ण होता है। इस दिन चंद्र देव की पूजा और उन्हें अर्घ्य देने से कुंडली का

चंद्र दोष दूर होता है और मानसिक तनाव से राहत मिलती है। **पूजा की सरल और संपूर्ण विधि** अधिकमास पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु के 'सत्यनारायण' रूप की पूजा का विशेष विधान है। आप इस विधि से पूजा कर सकते हैं: **सुबह का स्नान:** सुबह ब्रह्म मुहूर्त में उठकर घर के पानी में थोड़ा गंगाजल मिलाकर स्नान करें। यदि संभव हो तो किसी पवित्र नदी में स्नान करें। **व्रत का संकल्प:** स्वच्छ या पीले रंग के वस्त्र धारण कर सूर्य देव को जल अर्पित करें और हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें। भगवान विष्णु-लक्ष्मी की स्थापना: घर के मंदिर या एक चौकी पर पीला/लाल कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें। पूजन सामग्री: भगवान को पीले फूल, पीले फल, चंदन, अक्षत और धूप-दीप अर्पित करें। भगवान विष्णु को तुलसी दल

अधिक मास की पूर्णिमा पर करें कौड़ी के 3 आसान उपाय



अधिक मास की पूर्णिमा तिथि को हिंदू धर्म में बेहद खास माना जाता है। यह तिथि 3 साल में एक बार आती है इसलिए इस दिन किए जाने वाले उपायों को शुभ फल कई गुना अधिक आप पाते हैं। ज्येष्ठ अधिक मास के स्वामी विष्णु भगवान हैं और पूर्णिमा तिथि को माता लक्ष्मी के पूजन के लिए बेहद खास माना जाता है। ऐसे में अगर आप कौड़ी से जुड़े कुछ उपाय ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा के दिन करते हैं तो धन-धान्य और सुख-समृद्धि की आपको प्राप्ति हो सकती है। आज ऐसे ही उपायों के बारे में हम आपको जानकारी देंगे। आपको बता दें कि ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा 30 मई 2026 को है।

धन-धान्य की प्राप्ति के लिए कौड़ी का उपाय अधिक मास की पूर्णिमा की रात में आपको माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए और पूजा के दौरान 11

पीली कौड़ियां माता को अर्पित करनी चाहिए। पूजा के बाद इन कौड़ियों को लाल या पीले रंग के रेशमी कपड़े में आपको बांध लेना चाहिए। रात भर इस पोटीली को माता लक्ष्मी के चरणों में पड़े रहने दें और इसके बाद अगली सुबह पूजा के बाद धन के स्थान में इस पोटीली को रख दें। माना जाता है कि अधिक मास की पूर्णिमा पर यह उपाय करने से आपको धन-धान्य की प्राप्ति होती है और माता लक्ष्मी का

आशीर्वाद आप पर बना रहता है। **करियर-कारोबार में तरक्की के लिए उपाय** अगर आपको करियर-कारोबार के क्षेत्र में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई कोशिशों के बाद भी धन लाभ नहीं हो रहा है तो अधिक मास की पूर्णिमा के दिन आपको 7 कौड़ियां लेकर माता लक्ष्मी के मंत्र 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं सिद्ध लक्ष्म्यै नमः' का 108 बार जप करना चाहिए। जप करने के बाद आपको इन कौड़ियों को अपनी दुकान में धन के स्थान पर या लॉकर में रख देना चाहिए। जो लोग नौकरी करते हैं वो एक श्रीली पोटीली में इन कौड़ियों को बांधकर अपने डेस्क पर रख सकते हैं। मान्यताओं के अनुसार ऐसा करने से आपको करियर और व्यापार में जबरदस्त लाभ हो सकता है।

अधिक मास में तुलसी में चढ़ा दें यह एक चीज

तुलसी का पौधा भगवान विष्णु का बेहद प्रिय माना जाता है, इसलिए अधिक मास में तुलसी पूजन का महत्व कई गुना बढ़ जाता है। ज्योतिष शास्त्र अनुसार अगर इस महीने में आप तुलसी पर एक खास चीज अर्पित करते हैं तो इससे न केवल आपके घर में सुख-शांति आएगी बल्कि मां लक्ष्मी की भी विशेष कृपा बरसेगी। आइए जानते हैं उस एक चमत्कारिक चीज के बारे में जिसे अधिक मास के दौरान तुलसी पर चढ़ाने से बंद किस्मत के ताले खुल सकते हैं।

अधिक मास में तुलसी पर चढ़ाएं ये खास चीज अधिक मास के किसी भी दिन (रविवार और एकादशी को छोड़कर) सुबह स्नान करने के बाद एक तांबे के लोटे में साफ



जल लें और उसमें थोड़ा सा कच्चा दूध और चुटकी भर हल्दी मिला लें। इसके बाद इस जल को मन ही मन मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए तुलसी के पौधे पर चढ़ा दें। कहते हैं अधिक मास में यह उपाय करने से गुरु ग्रह मजबूत होता है, जिससे धन-धान्य में वृद्धि होने लगती है। **फिर शाम के समय करें यह अचूक उपाय** सुबह तुलसी में दूध मिश्रित जल

अर्पित करने के बाद शाम में पौधे के पास गाय के घी का एक दीपक जरूर जलाएं। साथ ही दीपक के नीचे थोड़े से अक्षत जरूर रखें। दीया जलाते समय 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जाप भी करें। कहते हैं इस उपाय को करने से घर में मां लक्ष्मी का स्थायी वास होता है।

इन बातों का रखें ध्यान तुलसी के पौधे को रविवार और एकादशी के दिन भूलकर भी न छुएं और न ही इन दिनों में तुलसी पर जल चढ़ाएं। माना जाता है कि इन दिनों माता तुलसी भगवान विष्णु के लिए व्रत रखती हैं। यदि अधिक मास में तुलसी का पौधा सूख गया है, तो उसे हटाकर एक नया पौधा लगाएं। कहते हैं सूखा हुआ तुलसी का पौधा घर में वास्तु दोष लाता है।

सुवर्णमत्स्या: रावण की पुत्री का हनुमानजी पर मोहित हो जाना

लोककथाओं में लंकापति रावण के 7 बेटों के अलावा एक बेटी का उल्लेख मिलता है जिसका नाम सुवर्णमत्स्या या सुवर्णमग्छा था। कहते हैं कि यह हनुमानजी पर मोहित हो गई थी। भारत से बाहर दक्षिण-पूर्व एशिया की रामायणों में इसका उल्लेख मिलता है। हालांकि वाल्मीकि कृत रामायण और तुलसीदास कृत रामचरित मानस में इसका उल्लेख नहीं मिलता है।

1. सुवर्णमत्स्या का परिचय और स्वरूप नाम का अर्थ: 'सुवर्ण' (सोना) और 'मत्स्य' (मछली) से मिलकर बना यह नाम 'सोने की मछली' को दर्शाता है। इसे 'सुवर्णमग्छा' या 'मत्स्योदरी' भी कहा जाता है। **अद्वितीय रूप:** वह आधे मानव और आधी मछली के रूप में एक सुनहरी जलपरी थी। उसका शरीर सोने की तरह दमकता था। **पारिवारिक पृष्ठभूमि:** रामकियेन के अनुसार, रावण की तीन पत्नियों से सात पुत्र (मेघनाद, अक्षय कुमार, अतिकाय, त्रिशिरा, प्रहस्थ, नरांतक, देवांतक) थे और सुवर्णमत्स्या उसकी इकलौती पुत्री थी।

रामसेतु निर्माण और रावण का षड्यंत्र पिता की आज्ञा: जब श्री राम की सेना और नल एवं नील द्वारा लंका तक पहुँचने के लिए समुद्र पर सेतु बनाया जा रहा था, तब रावण ने अपनी पुत्री सुवर्णमत्स्या को इस योजना को विफल करने का कार्य सौंपा। **पुल का विनाश:** सुवर्णमत्स्या ने अपनी समुद्री सेना की मदद से नल और नील द्वारा समुद्र में फेंके जाने वाले पत्थरों और चट्टानों को नीचे से गायब करना शुरू कर दिया, जिससे सेतु का टिकना असंभव हो गया।

हनुमान जी से भेंट और हृदय परिवर्तन रहस्य की खोज: जब पत्थर गायब होने लगे, तो हनुमान जी ने समुद्र की गहराइयों में उतरकर कारण जानने का प्रयास किया। वहाँ उन्होंने एक मत्स्य कन्या को जलचरों को निर्देश देते हुए देखा।

प्रेम और बोध: हनुमान जी को देखते ही सुवर्णमत्स्या उन पर मोहित हो गई। हनुमान जी ने उसके मन की स्थिति को भांप लिया और उसे समझाया कि रावण अधर्म के मार्ग पर है। **धर्म का साथ:** हनुमान जी के ज्ञान और व्यक्तित्व से प्रभावित होकर सुवर्णमत्स्या का हृदय परिवर्तन हो गया। उसने रावण के आदेश को ठुकरा कर सभी चट्टानें लौटा दीं, जिससे सेतु का निर्माण पूरा हो सका।

संतान का वर्णन (विदेशी कथाओं के अनुसार) पुत्र: थाई रामायण 'रामकियेन' के अनुसार, हनुमान जी और सुवर्णमत्स्या के संयोग से एक पुत्र का जन्म हुआ, जिसका नाम मैकचून् (मछानू) था। **भारतीय संदर्भ में भिन्नता:** मुख्यधारा की भारतीय रामायण में हनुमान जी के पुत्र के रूप में मकरध्वज का वर्णन मिलता है, जिसकी माता एक मगरमच्छ (मकरी) थी।

सांस्कृतिक और कलात्मक महत्व **सौभाग्य का प्रतीक:** थाईलैंड और कंबोडिया में सुवर्णमत्स्या को अत्यंत पूजनीय माना जाता है। वहां सुनहरी मछली को सौभाग्य और धन की देवी के रूप में देखा जाता है, ठीक वैसे ही जैसे चीन में ड्रैगन को। **कला और मंचन:** वहाँ के बाजारों में 'गुड लक' के लिए उनकी मूर्तियाँ रखी जाती हैं। थाई नृत्य और नाटकों में

वो 7 पौधे जिनकी होती है पूजा लेकिन घर में लगाने की मनाही



बरगद: बरगद का पेड़ दैव वृक्ष है, इसमें देवताओं का वास होता है. वट सावित्री व्रत में वट वृक्ष की विशेष पूजा और परिक्रमा की जाती है. अखंड सौभाग्य प्रदान करने वाला यह व्रत बरगद के पेड़ की पूजा के बिना अधूरा है. बरगद के पेड़ की पूजा करते हैं, लेकिन इसे घर के आंगन या बालकनी में लगाना वर्जित है. इसकी जड़ें दूर तक फैलती हैं, जिससे घर को भी नुकसान पहुंच सकता है. बरगद के पेड़ की परछाई घर पर पड़ना अशुभ होता है, इससे तनाव और नकारात्मकता बढ़ती है।

शमी: शनि देव की कृपा पाने, साढ़ेसाती और दैव्या के दुष्प्रभाव से बचने के लिए शमी के पेड़ की पूजा करते हैं. शमी के पत्ते शनिदेव और भगवान शिव को अर्पित करते हैं. लेकिन इसे घर में नहीं लगाना चाहिए क्योंकि इससे वास्तु दोष पैदा होता है और यह कटीला होता है. इसे घर के बाहर लगा सकते हैं।

पीपल: पीपल के पेड़ में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का वास होता है. शनि दोष और पितरों की शांति के लिए इसके जड़ पर जल अर्पित करते हैं और तेल का दीपक जलाते हैं. इसकी पूजा करते हैं, लेकिन इसे घर में लगाना वर्जित है क्योंकि इसकी जड़ें आपके घर की नींव हिला सकती हैं. जिसके घर में होता है,



उसे धन हांनि और जीवन में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

आंवला: भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के आशीर्वाद के लिए आंवले के पेड़ की पूजा करते हैं. आंवला नवमी व्रत के दिन इसकी विशेष पूजा अर्चना करते हैं. लेकिन इसके पौधे को घर में नहीं लगाते हैं और न ही यह आपके घर के मुख्य द्वार के ठीक सामने होना चाहिए. इससे वित्तीय संकट का सामना करना पड़ सकता है।

आक या मदार: भगवान शिव की पूजा में आक या मदार के फूलों का उपयोग करते हैं. इसकी जड़ों में श्वेताक गणेश का वास होता है. लेकिन इसे घर में नहीं लगाते हैं क्योंकि परिवार में कलह और बीमारियों का कारण बन सकता है. इस पौधे से निकलने वाला सफेद दूध आंखों और त्वचा के लिए ठीक नहीं माना



जाता है। **इमली:** इमली के पेड़ की पूजा करते हैं और उस पर देवी का वास मानते हैं. लेकिन इसे घर या उसके आस पास इमली का पौधा नहीं लगाते हैं. वास्तु अनुसार इस पौधे की लगाने से परिवार में विवाद, आपसी प्रेम, विश्वास की कमी होती है. परिवार में नकारात्मकता बढ़ती है।

केला: गुरुवार व्रत में केले के पौधे की पूजा करते हैं, वहीं मांगलिक कार्यों में उसके पत्तों और तनों का उपयोग किया जाता है. इसमें भगवान विष्णु और देव गुरु बहस्पति का वास होता है. गुरु दोष को दूर करने के लिए भी केले के पौधे की पूजा करते हैं. लेकिन इसे घर के पीछे या मुख्य द्वार के सामने नहीं लगाना चाहिए. इसे घर के बाहर इंशान कोण में लगा सकते हैं. गलत जगहों पर केले का पौधा लगाने से दौलत जीवन, शिक्षा आदि में समस्याएं पैदा हो सकती हैं।



हनुमान जी और सुवर्णमत्स्या के प्रसंग को बहुत ही सुंदरता के साथ मंचित किया जाता है।

हनुमानजी और स्त्री

सुवर्चला: पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कहते हैं कि सूर्यदेव को अपना गुरु बनाकर हनुमान जी ने उनसे शिक्षा प्राप्ति की लेकिन सूर्यदेव की शर्त थी कि संपूर्ण शिक्षा के लिए विवाहित होना जरूरी है तब हनुमानजी ने सूर्यदेव की आज्ञा से उनकी पुत्री से प्रतिकात्मक रूप से विवाह किया था। यानी उनकी पत्नी का नाम सुवर्चला था। वे भगवान सूर्यदेव की तपस्वी पुत्री थीं। कहा जाता है कि हनुमान जी ने सूर्यदेव से शिक्षा (नव व्याकरण) प्राप्त करने के लिए उनसे विवाह किया था, क्योंकि यह शिक्षा केवल विवाहित व्यक्ति को ही दी जा सकती थी। तेलंगाना के खम्मम जिले में एक मंदिर बना है जहां पर हनुमानजी की प्रतिमा सुवर्चला के साथ विराजमान है। **मकर (मछली) मत्स्यकन्या:** जब हनुमानजी लंकादहन कर लौट रहे थे तब समुद्र के किनारे अपनी पृंछ ठंडी कर रहे थे तब उनके पसीने की बूंद गिरी और उस बूंद को मछली ने निगल लिया और वह गर्भवती हो गई। बाद में जब मकरध्वज का जन्म हुआ तो वह अहिरावण को मिला। अहिरावण ने उसे पाला था। रावण के कहने पर अहिरावण ने युद्ध से पहले युद्ध शिविर में उतरकर राम और लक्ष्मण का अपहरण कर लिया। वह दोनों को पाताल लोक ले गया और एक गुप्त स्थान पर बंधक बनाकर रख लिया। तब

हनुमानजी वेग की गति से पाताल पुरी पहुंच गए। वहां उन्होंने देखा कि उनके ही रूप जैसा कोई बालक पहरा दे रहा है जिसका नाम मकरध्वज था। मकरध्वज और हनुमानजी का युद्ध हुआ। मकरध्वज हार गया तब हनुमानजी ने अहिरावण का वध कर प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण को मुक्त कराया और मकरध्वज को पाताल लोक का राजा नियुक्त कर दिया। **सुवर्णमत्स्या:** तीसरी कथा सुवर्णमत्स्या से जुड़ी है। रावण की पुत्री सुवर्णमत्स्या का वर्णन मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व एशिया की रामायणों, जैसे थाईलैंड की 'रामकियेन' और कंबोडिया की 'रामकेर' में मिलता है। महर्षि वाल्मीकि की 'रामायण' और तुलसीदास कृत 'रामचरितमानस' में उनका कोई उल्लेख नहीं है। भारतीय परंपरा में हनुमान जी को बाल ब्रह्मचारी माना गया है। जहाँ 'अद्भुत रामायण' माता सीता को रावण की पुत्री बताती है, वहीं विदेशी संस्करणों में सुवर्णमत्स्या का स्पष्ट वर्णन है। इसे एक ऐसी लोक-कथा माना जाता है जो भारत की सीमाओं के बाहर जाकर विकसित हुई। सुवर्णमत्स्या की कथा रामायण के उस वैश्विक विस्तार का प्रतीक है, जहाँ प्रेम और धर्म के प्रभाव से एक शत्रु की पुत्री भी न्याय के मार्ग में सहानुभूति बन जाती है। हालांकि भारत की रामायण में इस तरह की कथा का कोई वर्णन नहीं मिलता है इसलिए यह एक काल्पनिक कथा मानी जा सकती है।

एआई सक्रिय हो जीवन में, लेकिन हम लाचार भी न हों

जब श्रीराम ने युद्ध के पहले अंगद को दूत बनाकर रावण के पास भेजा तो एक बहुत अच्छी बात उन्होंने बोली थी- अंगद, रावण से तुम्हारा व्यवहार इस प्रकार होना चाहिए कि रकाजु हमारा तासु हित होई।' हमारा भी काम हो जाए, उसका भी भला हो जाए। अब हम एआई के युग में इस पंक्ति का अर्थ समझकर जीवन में उतारें। एआई भी सक्रिय हो हमारे जीवन में, लेकिन हम लाचार भी न हो जाएं। कहीं ऐसा न हो कि हम कब खाएं, कब नहार्एं, यह निर्णय भी एआई करने लगे प्रबंधन की भाषा में इसको आपसी बढ़त कहते हैं- म्युचुअल एम्प्लॉफिकेशन, यानी दोनों का हित हो। यंत्र का भी हित हो और यंत्र का प्रयोग करने वाले मनुष्य का भी। एआई के पहले हमारे यहाँ एक लहर चली थी, उसको कहते हैं विशेषज्ञता की लहर। हर क्षेत्र में लोग विशेषज्ञ हो रहे थे।अब यह एआई विशेषज्ञता पर बहुत बड़ा हमला करेगा, क्योंकि विशेषज्ञ होने में जो मेहनत, जो संघर्ष करना पड़ता था, वो अब बंद हो जाएगा। और कहीं हम लोग चिंतन के मामले में आत्मसमर्पण न कर दें। एआई के सामने इतनी सावधानी जरूर रखिएगा।



स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 30 मई - 2026

छत्कों का बादशाह वैभव सूर्यवंशी

भारतीय क्रिकेट का इतिहास केवल महान खिलाड़ियों का इतिहास नहीं है, बल्कि निरंतर परिवर्तन और नई प्रतिभाओं के उदय की कहानी भी है। कपिल देव ने भारतीय क्रिकेट में आत्मविश्वास का संचार किया, सचिन तेंदुलकर ने उसे वैश्विक पहचान दिलाई, सौरव गांगुली ने नई आक्रामकता दी, जबकि महेेंद्र सिंह धोनी, विराट कोहली और रोहित शर्मा ने उसे नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। अब आईपीएल-2026 में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने ऐसी धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई है कि क्रिकेट जगत उन्हें भारतीय क्रिकेट के अगले बड़े सितारे के रूप में देखने लगा है। महज 15 वर्ष की आयु में वैभव ने जिस तरह रिकॉर्डों पर हमला बोला है, वह असाधारण है। आईपीएल के एक सत्र में उनके 65 छक्के केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि आधुनिक टी-20 क्रिकेट की नई सोच है। यह रिकॉर्ड उन्होंने इतनी कम गेंदों में बनाया कि दुनिया के महान टी-20 बल्लेबाजों के आंकड़े भी पीछे छूट गए। आईपीएल-2012 में क्रिस गेल ने 59 छक्के लगाने के लिए 456 गेंदों का सामना किया था, जबकि वैभव ने 65 छक्के मात्र 266 गेंदों में जड़ दिए। उनका 242.85 का स्ट्राइक रेट इस उपलब्धि को और भी असाधारण बना देता है। लेकिन वैभव की सबसे बड़ी ताकत केवल छक्के नहीं हैं। उनकी असली पहचान उनका निडर स्वभाव है। क्रिकेट जगत के नामी और खतरनाक गेंदबाजों के सामने भी उनमें किसी प्रकार की झिझक दिखाई नहीं देती। आईपीएल-2026 में उन्होंने कई दिग्गज गेंदबाजों को निशाना बनाकर यह संदेश दिया है कि नई पीढ़ी का यह बल्लेबाज दबाव से नहीं, बल्कि चुनौती से ऊर्जा प्राप्त करता है। बुधवार को हैदराबाद के खिलाफ मुकाबले में भी उनके पास इतिहास रचने का मौका था। वे 16 गेंदों में अर्धशतक तक पहुंच चुके थे और 97 रन बनाकर खेल रहे थे। 29वीं गेंद पर आउट होने से उनका सफर रुक गया। यदि उस गेंद पर चौका लग जाता तो वे मात्र 30 गेंदों में शतक बनाकर क्रिस गेल के सबसे तेज शतक के रिकॉर्ड को भी चुनौती दे सकते थे। हालांकि रिकॉर्ड छूट गया, लेकिन उन्होंने यह संकेत जरूर दे दिया कि भविष्य में ऐसे कई रिकॉर्ड उनके निशाने पर होंगे। दरअसल, वैभव की सफलता टी-20 क्रिकेट द्वारा लाए गए बड़े बदलाव की कहानी भी है। इस प्रारूप ने क्रिकेट को पूरी तरह बदल दिया है। आज का दर्शक चौको-छक्कों, तेज रनगति और आक्रामक बल्लेबाजी को पसंद करता है। वैभव उसी पीढ़ी के खिलाड़ी हैं जिसने आईपीएल क्रिकेट की चटक दुनिया को देखते हुए क्रिकेट सीखा है। आठ वर्ष की आयु से शुरू हुई उनकी साधना आज मैदान के हर कोने में बरसते छक्कों के रूप में दिखाई देती है। कभी भारतीय क्रिकेट पर बड़े शहरो का वर्चस्व था, लेकिन अब छोटे शहर और पिछड़े माने जाने वाले राज्य भी प्रतिभाओं की नई नैषी बन रहे हैं। बिहार से आने वाले वैभव इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। आईपीएल-2026 में उत्तर प्रदेश और बिहार से बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का उभरना इस बदलाव का प्रमाण है कि प्रतिभा अब केवल महानगरों तक सीमित नहीं रही। फिर भी, उत्साह के बीच संतुलन आवश्यक है। आईपीएल की सफलता महत्वपूर्ण है, लेकिन किसी खिलाड़ी का वास्तविक परीक्षा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में होती है। वहां तकनीकी क्षमता, मानसिक मजबूती और निरंतर प्रदर्शन की कसौटी कहीं अधिक कठिन होती है। इसलिए वैभव के लिए यह केवल शुरुआत है, मंजिल नहीं। फिलहाल इतना निश्चित है कि वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट को एक नई उम्मीद दी है। उन्होंने यह साबित किया है कि प्रतिभा और परिश्रम के सामने उम्र की कोई सीमा नहीं होती। अब पूरा देश यह देखने को उत्सुक है कि क्या यह युवा बल्लेबाज भविष्य में भारत को विश्व कप जिताने वाले महान खिलाड़ियों की श्रेणी में अपना स्थान बना पाएगा।

हिन्दी पत्रकारिता की दशा और दिशा

भारत में प्रेस ने लगभग प्रत्येक महत्वपूर्ण अवसर पर अपनी महत्ता सिद्ध की है, फिर चाहे भारत-पाक युद्ध हो या भारत-चीन लड़ाई अथवा अन्य कोई चुनौतीपूर्ण अवसर। यह कहरना भी असंगत नहीं होगा कि हिन्दी पत्रकारिता का स्थान इसमें सर्वोपरि रहा है। हिन्दी भाषी समाचारपत्र हों अथवा पत्रिकाएं, उनका देश की बहुसंख्यक आबादी के साथ सदैव विश्व को जुड़ाव रहा है और इस दृष्टि से राष्ट्र की एकता, अखण्डता एवं विकास की दिशा में हिन्दी पत्रकारिता की भूमिका को कदापि नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि हिन्दी पत्रकारिता के 200 वर्षों के इतिहास में समय के साथ पत्रकारिता के मायने और उद्देश्य बदलते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद सुखद स्थिति यह है कि हिन्दी पत्रकारिता के पाठकों या दर्शकों की रूचि में कोई कमी नहीं आई।

यह अलग बात है कि अंग्रेजी मीडिया और उससे जुड़े कुछ पत्रकारों ने भले ही हिन्दी पत्रकारिता की उपेक्षा करते हुए सदैव उसकी प्रामाणिकता एवं विश्वसनीयता पर सवाल उठाते की कोशिशें की हैं किन्तु वास्तविकता यही है कि पिछले कुछ दशकों में हिन्दी पत्रकारिता ने अपनी ताकत का बखूबी अहसास कराया है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उसकी विश्वसनीयता बढ़ी है। यह हिन्दी पत्रकारिता की बढ़ती ताकत का ही नतीजा है कि कुछ हिन्दी अखबारों ने अनेक संस्करणों के साथ प्रसार संख्या के मामले में कुछ अंग्रेजी अखबारों को भी पीछे छोड़ दिया है। हिन्दी पत्रकारिता की शुरुआत 30 मई 1826 के कानपुर निवासी पं. युगुल किशोर शुक्ल

दर्पण ही धुंधला हो जाए, तो समाज चेहरा कैसे देखेगा?



सुरेश गांधी

आज हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर यह प्रश्न पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक दिखाई देता है। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहे जाने वाली पत्रकारिता आज स्वयं विश्वास के संकट से जूझ रही है। कभी यह पेशा जनआरण, स्वतंत्रता और सामाजिक परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम था, लेकिन बदलते दौर में इसके स्वरूप, सरोकार और चरित्र पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। मिशन की पत्रकारिता अब धीरे-धीरे बाजार और मुनाफे की चकाचौंध में सिमटती दिखाई दे रही है। भारतीय पत्रकारिता का इतिहास संघर्ष, साहस और जनसेवा की मिसाल रहा है। जब अंग्रेजी हुकूमत भारतीयों की आवाज दबाने में लगी थी, तब पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने “उदन्त मार्तण्ड” के माध्यम से हिंदी पत्रकारिता की नींव रखी। राजा राममोहन राय, गणेश शंकर विद्यार्थी, अज्ञेय, राजेंद्र माथुर जैसे पत्रकारों ने अपनी कलम को समाज परिवर्तन का हथियार बनाया। उस दौर में पत्रकारिता सत्ता की दलाली नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल पूछने का साहस थी। अखबार हाथ से लिखे जाते थे, संसाधन सीमित थे, लेकिन शब्दों में इतनी ताकत थी कि साम्राज्यवादी शासन की नाँद उड़ जाती थी। आज स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। आधुनिक तकनीक, रंगीन

प्रिंटिंग, डिजिटल मीडिया, चौबीस घंटे चलने वाले समाचार चैनल और सोशल मीडिया की बाढ़ ने पत्रकारिता को बेहद तेज और प्रभावशाली बना दिया है। लेकिन इसी रफ्तार में उसकी आत्मा कहीं खोती हुई नजर आती है। खबर अब जनहित से ज्यादा टीआरपी और क्लिक की वस्तु बन चुकी है। विज्ञापन खबर का रूप ले रहे हैं और विचार भी बिकाऊ हो चुके हैं। जनता तक वही समाचार पहुंचाए जा रहे हैं, जिनसे संस्थानों का आर्थिक हित जुड़ा हो।

सबसे बड़ा संकट पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर आया है। समाज की पत्रकार का सम्मान धीरे-धीरे कम होता जा रहा है। इसका कारण केवल बाहरी दबाव नहीं, बल्कि पत्रकारिता के भीतर छुड़े हुए विकृतियां भी हैं। कुछ लोग अवैध कारोबार और व्यक्तिगत स्वार्थों की सुरक्षा के लिए पत्रकारिता का चोला ओढ़ लेते हैं। कई तथाकथित पत्रकारों ने इस पेशे को ब्लैकमेलिंग और दलाली का माध्यम बना दिया है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसे लोगों को कई बार संस्थानों का संरक्षण भी मिल जाता है, क्योंकि वे सत्ता और पैसे के समीकरण साधने में माहिर होते हैं। आज पत्रकारिता के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या वह अब भी समाज और लोकतंत्र के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रही है? लोकतंत्र के अन्य स्तंभ यदि भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सत्ता के दबाव से प्रभावित हैं, तो पत्रकारिता की जिम्मेदारी

और अधिक बढ़ जाती है। लेकिन दुखद यह है कि अब समाचारों की सत्यता पर भी संदेह होने लगा है। राजनीतिक दलों और बड़े कारोबारी घरानों से गठजोड़ ने कई मीडिया संस्थानों की निष्पक्षता को प्रभावित किया है। जब मालिकान ही राजनीतिक सौदों का हिस्सा बनने लगे, तब नीचे तक व्यवस्था का दूषित होना स्वाभाविक है।

पत्रकारिता का यह पतन केवल संस्थागत नहीं, नैतिक भी है। कभी पत्रकारिता को समाज सेवा और जनचेतना का माध्यम माना जाता था। आज यह एक बड़ा उद्योग बन चुका है। इसमें प्रोफेशनलिज्म आना गलत नहीं, लेकिन हर प्रोफेशन का एक नैतिक आधार भी होता है। पत्रकारिता की आत्मा सत्य, निष्पक्षता और जनपक्षधरता में बसती है। यदि यह समाप्त हो जाए, तो पत्रकारिता केवल सूचना बेचने का कारोबार बनकर रह जाएगी। इसके बावजूद पूरी तस्वीर निराशजनक नहीं है। आज भी हजारों ऐसे पत्रकार हैं जो सीमित संसाधनों और जोखिमों के बीच सच्चाई के लिए लड़ रहे हैं। गांव-कस्बों के सर्टिंगर, सामावती क्षेत्रों में रिपोर्टिंग करने वाले संवाददाता, बाढ़, दंगे, महामारी और नक्सल प्रभावित इलाकों में जान जोखिम में डालकर खबरें जुटाने वाले पत्रकार—ये आज भी पत्रकारिता के असली चेहरे हैं। कम वेतन या बिना भतीजावाद और सत्ता के दबाव से क्योंकि उनके भीतर मिशन की भावना

एसआईआर कराना चुनाव आयोग का अधिकार



रामा रमण

ठीक कहा जाता है कि कागज का पेट कागज से ही भरता है। बिहार में हुए मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर मामले में देश की सबसे बड़ी अदालत (सुप्रीम कोर्ट) के हालिया फैसले को इसी रूप में देखा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को वैध ठहराते हुए साफ-साफ कहा कि चुनाव आयोग को इसका अधिकार है। अदालत ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनावों के संवैधानिक लक्ष्य को आगे बढ़ाती है। यह लोकतंत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया की वैधानिकता को चुनौती देने वाली एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स (एडीआर)

सुप्रीम कोर्ट ने 20 याचिकाओं का निस्तारण करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को संविधान के अनुच्छेद -324 एवं जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 21(3) के तहत एसआईआर कराने का अधिकार है। अदालत ने माना कि एसआईआर की प्रक्रिया में नियमों का उल्लंघन नहीं किया गया। साथ ही कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची में नाम शामिल करने की पात्रता के लिहाज से नागरिकता की सीमित जांच करने का अधिकार है। हालांकि ऐसी जांच नागरिकता का निर्धारण नहीं मानी जा सकती है। अदालत के इस फैसले से देश के नागरिकों में सन्नाटा पसरा है।



सुरेश कुमार मिश्रा

घर के सामने वाले मंदिर पर ल गे लाउडस्पीकर से 'बाल-बाल सैंग गैयाँ डोलें, 'जय गोपाला' सब मुख बोले' गीत जोर-जोर से बज रहा था और पीती अपने नए फोन पर वीडियो देख रही थी। खूटे पर बंधी मंगला ने अपनी पूँछ से एक मक्खी उड़ाई और गर्दन हिलाकर उस आसमान को देखा जो अब नीले से धुंधला सलेटी हो चुका था। चौदह साल पहले जब वह इस घर में आई थी तब बूढ़ी मां ने अपने कंपंते हाथों से उसके माथे पर रोली का टीका लगाया था और उस रक्की जिसकी कर्कश आवाज सुनकर मंगला के कान खड़े हो गए। गाड़ी से उतरा आदमी खादी का कुर्ता पहने था और उसकी जेब में नोटों की गड़्डी इस तरह झाँक रही थी जैसे किसी अपराधी की जेब से पिस्तौल। घर के बड़े बेटे ने उसकी तरफ देखते हुए अपनी नज़रें झुका लीं पर उसकी उंगलियां नोटों को गिनने के लिए फनल रही थीं। बगल के अंधेरे कमरे में खाट पर पड़ी बूढ़ी मां अपनी थरथराती हुई लाठी टेकते हुए बाहर आई और बेटे का हाथ पकड़ लिया। सब पक्का है न बाबू बेटे ने फुसफुसाकर पूछा। कागज

था जिस पर किसी की मौत का फरमान लिखा हो। मंगला निश्चित थी क्योंकि उसने सुना था कि इस घर में कुछ जीवों को काटने की सख्त मनाही है और वह तो कोई जंगली सांड या मिथुन भी नहीं थी जिसके वध पर कानून खामोश रह जाए। वह तो सीधी सादी गाय्दा थी जिसने इस घर के तीन बच्चों को अपनी छाती निचोड़कर पालकर बड़ा किया था।

दरवाजे पर एक बड़ी गाड़ी आकर रुकी जिसकी कर्कश आवाज सुनकर मंगला के कान खड़े हो गए। गाड़ी से उतरा आदमी खादी का कुर्ता पहने था और उसकी जेब में नोटों की गड़्डी इस तरह झाँक रही थी जैसे किसी अपराधी की जेब से पिस्तौल। घर के बड़े बेटे ने उसकी तरफ देखते हुए अपनी नज़रें झुका लीं पर उसकी उंगलियां नोटों को गिनने के लिए फनल रही थीं। बगल के अंधेरे कमरे में खाट पर पड़ी बूढ़ी मां अपनी थरथराती हुई लाठी टेकते हुए बाहर आई और बेटे का हाथ पकड़ लिया। सब पक्का है न बाबू बेटे ने फुसफुसाकर पूछा। कागज

तैयार है ऊपर से आदेश है व्यापारी ने तंबाकू थकते हुए कहा। यह क्या अर्थम कर रहे हो रे लाल मां ने अपनी सूखी छाती पीटते हुए बेटे का कुर्ता खींचा। तो अनेक बच्चों का ठेका हम ही थामें बेटे की आवाज में कलयुग का कड़कपन था। इसने हमें पाला है बेटा और तुम्हारी इस बूढ़ी मां को भी अब खाट पर पड़े रहने की आदत हो गई है तो क्या मुझे भी कल इसी गाड़ी में लाद दोगे मां की आँख से बहता पानी उसके गालों की झुर्रियों में रास्ता ढूंढ रहा था।

मंगला ने अपनी बड़ी-बड़ी काली आँखों से इस बातचीत को समझने की कोशिश की। उसने सोचा कि शायद उसे किसी नई चरागाह में ले जाया जा रहा है जहां हरी घास होगी और सूखा भूसा उसका पेट से मुक्ति मिलेगी। वह तो इस मुामले में जी रही थी कि जिस चौखट पर उसने अपनी पूरी जवानी निचोड़ कर दे दी वहां बुढ़ापे में कम से कम दो मुट्ठी सूखी घास और थोड़ा सा दुल्हार तो नसीब होगा ही। मां ढोड़कर मंगला के गले से लिपट गई और दोनों बूढ़ी

अभी जीवित है। पत्रकारिता कभी आसान पेशा नहीं रही। यह सचमुच “तलवार की धार पर दौड़ने” जैसा कार्य है। भ्रष्टाचार का खुलासा करने वाले पत्रकारों को आज भी धमकियां मिलती हैं। कई बार उनकी हत्या तक कर दी जाती है। दुनिया भर में हर वर्ष दर्जनों पत्रकार सच दिखाने की कीमत अपनी जान देकर चुकाते हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। ऐसे में पत्रकारिता केवल नौकरी नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और साहस का नाम है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पत्रकारिता अपने मूल स्वभाव की ओर लौटे। मीडिया संस्थानों को यह समझना होगा कि विश्वसनीयता ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है।

पत्रकारों को भी आत्ममंथन करना होगा कि वे सत्ता और स्वार्थ के साथ खड़े हैं या समाज और सच के साथ। पीत पत्रकारिता, फर्जी खबरों और दलाली की संस्कृति से दूरी बनाकर ही इस पेशे की गरिमा बचाई जा सकती है। हिंदी पत्रकारिता दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्मविश्लेषण का भी दिन है। यह संकल्प लेने का समय है कि पत्रकारिता को फिर से जनविश्वास का माध्यम बनाया जाए। कलम बिके नहीं, झुके नहीं और समाज के प्रति अपनी जवाबदेही को कभी न भूले। क्योंकि यदि चौथा स्तंभ कमजोर होगा, तो लोकतंत्र की पूरी इमारत हिलने लगेगी। आज जरूरत सिर्फ खबर लिखने की नहीं, बल्कि सच के पक्ष में खड़े होने

की है। पत्रकारिता का भविष्य तकनीक से नहीं, उसकी नैतिकता से तय होगा। मिशन की वही लौ यदि फिर प्रज्ज्वलित हुई, तो लोकतंत्र का यह चौथा स्तंभ दोबारा अपनी पूरी ताकत के साथ खड़ा दिखाई देगा।

जब कलम दलाली की गिरफ्त में हो
सबसे दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि समाज में पत्रकारों के प्रति सम्मान लगातार घट रहा है। इसका कारण केवल बाहरी दबाव नहीं, बल्कि पत्रकारिता के भीतर पैदा हुई विकृतियां भी हैं। कुछ लोगों ने पत्रकारिता को कमाई का जरिया बना लिया है। ऐसे लोग कलम को समाज सेवा नहीं, बल्कि निजी स्वार्थ, दबाव और सौदेबाजी का हथियार बना चुके हैं। अवैध कारोबार करने वाले कई लोग पत्रकारिता का चोला ओढ़कर उसे सुरक्षा कवच की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। यही वजह है कि आज “पत्रकार” शब्द की गरिमा पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि कई तथाकथित पत्रकार अपने ही साथियों को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटते। पैसे और स्वार्थ के लिए साथी पत्रकारों की बलि चढ़ाने तक की घटनाएं सामने आती हैं। प्रशासन और पुलिस से सांठगांठ कर सच उजागर करने वाले पत्रकारों को ही निशाना बनाया जाता है। कुछ मामलों में तो पत्रकारिता की आड़ में ब्लैकमेलिंग और दलाली का ऐसा नेटवर्क खड़ा हो चुका है, जिसने पूरे पेशे की साख को चोट पहुंचाई है।

मुश्किल में है आधी आबादी की आवाजाही

भारत में किसी बस स्टॉप पर खड़ी स्त्री का दृश्य सामान्य प्रतीत हो सकता है, लेकिन यदि हम उसे थोड़ा गहराई से देखें तो वह केवल एक यात्री नहीं दिखाई देती। वह अपने साथ समाज की अनेक परतें, संघर्ष,

उम्मीदें और सवाल लेकर खड़ी होती है। वह बस का इंतजार कर रही होती है, लेकिन साथ ही वह अपने अधिकारों, अवसरों और सम्मानजनक अस्तित्व की भी प्रतीक्षा कर रही होती है। विडंबना यह है कि जिस दृश्य को हम प्रतिदिन देखते हैं, उसके सामाजिक और मनोवैज्ञानिक अर्थों को समझने की कोशिश बहुत कम करते हैं।

भारतीय समाज में पुरुष और महिला की सार्वजनिक उपस्थिति को लेकर आज भी एक बड़ा अंतर मौजूद है। यदि रात के समय कोई पुरुष सड़क पर चलता हुआ दिखाई दे, बस का इंतजार करता मिले या किसी चाय की दुकान पर बैठा हो, तो यह एक सामान्य बात मानी जाती है। लेकिन यदि वही दृश्य किसी महिला के साथ हो तो अनेक प्रश्न स्वतः खड़े हो जाते हैं। वह कहाँ जा रही है? अकेली क्यों है? इतनी देर तक बाहर रहने की क्या आवश्यकता है? कौन उसका इंतजार कर रहा होगा? ये प्रश्न केवल जिज्ञासा नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक मानसिकता के प्रतीक हैं जो महिलाओं की स्वतंत्र आवाजाही को अब भी पूरी तरह सहजता से स्वीकार नहीं कर पाई है।

यह स्थिति केवल छोटे शहरों या ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। महानगरों में भी महिलाएँ सार्वजनिक स्थानों पर स्वयं को पुरुषों की तुलना में अधिक असुरक्षित महसूस करती हैं। उनके लिए घर से बाहर निकलना केवल एक भौतिक यात्रा नहीं होता, बल्कि अनेक मानसिक और सामाजिक बाधाओं को पार करने की प्रक्रिया भी होता है। इसीलिए महिलाओं की आवाजाही से जुड़ी योजनाओं, सुविधाओं और नीतियों का महत्व केवल आर्थिक नहीं बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी होता है।

जब सरकारें महिलाओं के लिए मुफ्त या रियायती बस यात्रा जैसी योजनाएँ लागू करती हैं, तो उसका महत्व केवल किराए की बचत तक सीमित नहीं रहता। यह उन महिलाओं के लिए अवसरों के नए द्वार खोलता है जिनके लिए प्रतिदिन का छोटा-सा खर्च भी निर्णयों को प्रभावित करता है। कई परिवारों में आज भी महिलाओं की शिक्षा, नौकरी या अन्य गतिविधियों पर होने वाला खर्च एक अतिरिक्त बोझ माना जाता है। ऐसे में परिवहन का खर्च कम होना उन्हें अधिक स्वतंत्रता प्रदान कर सकता है। यह समझना आवश्यक है कि घर से बाहर निकलने वाली हर



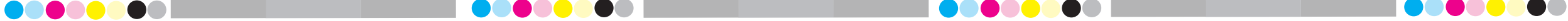
डॉ. प्रियंका सौरभ

महिला केवल नौकरी पर नहीं जा रही होती। वह अपने जीवन के किसी महत्वपूर्ण उद्देश्य की ओर बढ़ रही हो सकती है। कोई महिला अपनी बीमार माँ की देखभाल लिए दूसरे मोहल्ले या शहर जा रही हो सकती है। कोई विवाह के बाद छूट गई पढ़ाई को फिर से शुरू करने का साहस जुटा रही हो सकती है। कोई बेहतर रोजगार की तलाश में प्रतिदिन लंबी दूरी तय कर रही हो सकती है। कोई अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अतिरिक्त काम कर रही हो सकती है। और यह भी संभव है कि वह केवल कुछ क्षणों की मानसिक शांति के लिए घर से बाहर निकली हो, क्योंकि घर के भीतर उसका अवैतनिक श्रम कभी समाप्त नहीं होता।

भारतीय समाज में महिलाओं का घरेलू श्रम आज भी बड़े पैमाने पर अनदृश्य बना हुआ है। भोजन बनाना, बच्चों की देखभाल करना, बुजुर्गों की सेवा करना, घर की साफ-सफाई और अनगिनत छोटे-बड़े काम-ये सब ऐसे कार्य हैं जिनके बिना परिवार का जीवन संभव नहीं है, लेकिन इनका आर्थिक मूल्य नहीं आँका जाता। ऐसे में जब कोई महिला इनका इंतजार कर रही हो सकती है, तो वह केवल जिज्ञासा नहीं है, बल्कि अनेक जिम्मेदारियों के बोझ के साथ निकलती है। उसके पास समय कम होता है, संसाधन सीमित होते हैं और सामाजिक अपेक्षाएँ अधिक होती हैं।

सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की उपस्थिति को लेकर हमारी सामाजिक सोच में भी अनेक विरोधाभास दिखाई देते हैं। एक ओर हम महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता की बात करते हैं, दूसरी ओर उनकी स्वतंत्र आवाजाही को लेकर संदेह और नियंत्रण की प्रवृत्ति भी बनाए रखते हैं। परिवार अक्सर बेटियों को पढ़ाना चाहते हैं, लेकिन देर शाम पर लौटने को लेकर चिंतित रहते हैं। वे चाहते हैं कि महिलाएँ आगे बढ़ें, लेकिन उनके रास्ते में अनेक सामाजिक सीमाएँ भी खड़ी कर देते हैं।

महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन केवल यात्रा का साधन नहीं है, बल्कि सामाजिक भागीदारी का माध्यम भी है। यदि परिवहन सुलभ, सुरक्षित और निष्पक्ष हो तो महिलाओं की शिक्षा, रोजगार और सामाजिक सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। दुनिया भर के अनेक अध्ययनों ने यह सिद्ध किया है कि महिलाओं की गतिशीलता बढ़ने से उनकी आर्थिक स्वतंत्रता और निर्णय लेने की क्षमता भी बढ़ती है। इसलिए महिलाओं की सामाजिक विकास की नीति के रूप में नहीं बल्कि सामाजिक विकास की नीति के रूप में देखा जाना चाहिए।





'टीम जीते तो 80 रन भी शतक से ज्यादा महत्वपूर्ण...' 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने फिर जीता फैस का दिल

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में अपने विस्फोटक बल्लेबाजी अंदाज से लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। राजस्थान रॉयल्स के इस 15 वर्षीय बल्लेबाज ने अब अपनी सोच और क्रिकेट को लेकर नजरिया भी साझा किया है। वैभव का कहना है कि उनके लिए टीम की जीत किसी भी व्यक्तिगत उपलब्धि से ज्यादा अहम है।

'शतक का कोई मतलब नहीं अगर टीम हार जाए'

वैभव ने बताया कि उनके पिता ने बचपन से ही उन्हें टीम फर्स्ट की सोच सिखाई है। उन्होंने कहा, 'बचपन से मेरे पिता हमेशा कहते थे कि अगर तुम शतक, दोहरा शतक या तिहरा शतक भी बना लो, लेकिन टीम नहीं जीती, तो उन रनों का कोई मतलब नहीं है। वह सिर्फ आपका व्यक्तिगत रिकॉर्ड बनकर रह जाएगा, टीम के किसी काम नहीं आएगा।' सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव सिर्फ तीन रन से शतक से चूक गए थे। उन्होंने 29 गेंदों में 97 रन की विस्फोटक पारी खेली थी।

'जीत में बनाए 80 रन शतक से बड़े'

युवा बल्लेबाज ने कहा कि अगर उनकी टीम जीती है, तो 80 रन की पारी भी उनके लिए शतक से बड़ी होती है। उन्होंने कहा, 'आखिर में क्रिकेट एक टीम



गेम है। अगर मैं शतक की जगह 80 रन बनाऊं और टीम जीत जाए, तो वह मेरे लिए ज्यादा मायने रखता है। लेकिन अगर मैं शतक बनाऊं और टीम हार जाए, तो उस शतक की कीमत कम हो जाती है।' उन्होंने कहा कि टीम जितना आगे जाएगी, उन्हें उतने ज्यादा मौके बड़े रिकॉर्ड बनाने के लिए मिलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी टीम जितना लंबे समय तक टूर्नामेंट में रहेगी और प्लेऑफ या फाइनल तक पहुंचेगी, मुझे उतने ज्यादा मौके मिलेंगे शतक बनाने और रिकॉर्ड तोड़ने के। इससे टीम और मुझे दोनों को फायदा होगा।'

अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने के अगले दिन पहुंच गए थे प्रैक्टिस वैभव ने अपनी अनुशासन वाली आदत के पीछे भी अपने पिता की श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि भारत के अंडर-19 विश्व कप जीतने के अगले दिन भी वह अभ्यास करने पहुंच गए थे। उन्होंने कहा, 'यह सब मेरे पिता की वजह से है। बचपन से उन्होंने मुझे इतनी प्रैक्टिस करवाई है कि अगर मैं एक दिन भी अभ्यास नहीं करता, तो लगता है जिंदगी थोड़ी धीमी हो गई है। इसलिए मुझे लंबे ब्रेक की जरूरत नहीं पड़ती, एक दिन काफी होता है।' वैभव ने कहा

कि वनडे क्रिकेट से आईपीएल के टी20 फॉर्मेट में आने के लिए उन्हें अपनी तैयारी पर काम करना जरूरी लगा।

सपोर्ट स्टाफ और फैस को दिया श्रेय

राजस्थान रॉयल्स के युवा स्टार ने टीम के सपोर्ट स्टाफ की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि अगर टीम इस सीजन टॉफी जीतती है, तो वह इसे कोचिंग स्टाफ और फैस को समर्पित करेंगे। उन्होंने कहा, 'हर कोच खिलाड़ियों के लिए बहुत मेहनत करता है। जिस तरह प्रैक्टिस सेशन प्लान किए जाते हैं और फिजियो व ट्रेनर खिलाड़ियों की रिकवरी का ध्यान रखते हैं, उसका बहुत बड़ा योगदान होता है। अगर हम टॉफी जीतते हैं, तो वह उनके और सभी आरआर फैस के लिए होगी।'

रिकॉर्ड तोड़ रहा है 15 साल का बल्लेबाज

राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 15 पारियों में 680 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 242.86 का है और वह इस समय ऑरेंज कैप होल्डर हैं। वह आईपीएल इतिहास के पहले बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने किसी एक सीजन में 200 से ज्यादा स्ट्राइक रेट के साथ 600 से अधिक रन बनाए हैं। इस सीजन उनके बल्ले से 65 छक्के भी निकल चुके हैं।

ऋषभ पंत ने छोड़ी लखनऊ सुपर जाएंट्स की कप्तानी टीम प्रबंधन ने स्वीकार की मांग, खराब रहा था प्रदर्शन

टीम के निराशाजनक प्रदर्शन की पंत ने ली जिम्मेदारी



आईपीएल 2026 में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन के बाद लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला कर लिया है। फ्रेंचाइजी ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान जारी कर इस बात की पुष्टि की। टीम प्रबंधन ने बताया कि पंत ने खुद कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने का अनुरोध किया था, जिसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया।

पंत ने छोड़ी लखनऊ की कप्तानी

लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने टीम की कप्तानी छोड़ने का फैसला लिया है। फ्रेंचाइजी ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए बताया कि ऋषभ ने कप्तानी की जिम्मेदारियों से मुक्त किए जाने का अनुरोध किया था, जिसे तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया गया है। फ्रेंचाइजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पंत ने खुद टीम प्रबंधन से कप्तानी छोड़ने की इच्छा जताई थी और टीम ने उनके निर्णय का सम्मान किया है।

टका बोले नूडी?

टॉम मूडी ने अपने बयान में कहा, 'ऋषभ पंत ने फ्रेंचाइजी से

कप्तानी छोड़ने का अनुरोध किया और हमने सम्मानपूर्वक इसे स्वीकार किया। ऐसे फैसले कभी आसान नहीं होते। कप्तान के रूप में ऋषभ ने ड्रेसिंग रूम के लिए जो योगदान दिया है, उसके लिए हम आभारी हैं। अब हमारा पूरा फोकस टीम के पुनर्निर्माण और बेहतर प्रदर्शन पर है।' हालांकि, फ्रेंचाइजी की ओर से नए कप्तान के नाम का अभी तक आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में टीम प्रबंधन नए नेतृत्व को लेकर फैसला ले सकता है।

दो सीजन में नहीं दिला सके प्लेऑफ का टिकट

ऋषभ पंत को आईपीएल 2025 की नीलामी में लखनऊ

सुपर जाएंट्स ने रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। फ्रेंचाइजी को उनसे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन कप्तान के तौर पर उनका कार्यकाल उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। आईपीएल 2026 में लखनऊ की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टीम 14 मैचों में सिर्फ चार जीत हासिल कर पाई और अंक तालिका में सबसे नीचे रही। इससे पहले आईपीएल 2025 सीजन में भी टीम ने 14 में से केवल छह मुकाबले जीते थे। इस तरह पंत की कप्तानी में लखनऊ ने कुल 28 मैचों में सिर्फ 10 जीत दर्ज की।

बल्ले से किया निराश कप्तानी के साथ-साथ ऋषभ पंत का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी

प्रभावित हुआ। आईपीएल 2025 में उन्होंने 14 मैचों में 269 रन बनाए थे, जबकि आईपीएल 2026 में उनके बल्ले से 312 रन निकले। हालांकि, उनकी पारियों में निरंतरता की कमी साफ नजर आई।

नए कप्तान पर जल्द फैसला संभव

फिलहाल लखनऊ सुपर जाएंट्स ने नए कप्तान के नाम का एलान नहीं किया है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में फ्रेंचाइजी टीम के नए नेतृत्व को लेकर बड़ा फैसला ले सकती है। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि आगामी सीजन में लखनऊ की कमान किस खिलाड़ी को सौंपी जाएगी।

वैभव सूर्यवंशी से प्रभावित हुए दिग्गज खिलाड़ी सचिन, बोले- कमाल की है बैट स्विंग



वैभव की बल्लेबाजी के कायल हुए दिग्गज खिलाड़ी

भारत को वैभव सूर्यवंशी के रूप में एक नया सितारा मिला है। वैभव ने आईपीएल 2026 में अपना दम दिखाया है और वह लगातार विस्फोटक बल्लेबाजी से जगमगाते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने दमदार बल्लेबाजी की 29 गेंदों पर 97 रन ठोक डाले। 15 साल के वैभव की बल्लेबाजी देखकर हर कोई हैरान रह गया और अब सचिन तेंदुलकर सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इस युवा बल्लेबाज को जमकर सराहा है।

मुल्लापुर में आया वैभव का तूफान

वैभव ने हैदराबाद के खिलाफ शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की। वैभव के सामने जो भी गेंदबाज आया, उन्होंने हर उस गेंदबाज को अपना निशाना बनाया। मुल्लापुर में जब तक वैभव बल्लेबाजी कर रहे थे, तब तक चौको-छक्कों की बरसात होती रही। वैभव आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने के करीब पहुंच गए थे। हालांकि, बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में वह अपना विकेट गंवा बैठे और क्रिस गेल का ये रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाए।



एक सीजन में लगाए सवाधिक छक्के

वैभव भले ही सबसे तेज शतक नहीं लगा सके, लेकिन उन्होंने एक आईपीएल सीजन में सवाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया। वैभव अब तक इस सीजन में 65 छक्के लगा चुके हैं। उन्होंने इस मामले में क्रिस गेल के 59 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। वैभव के दम पर ही राजस्थान ने हैदराबाद को हराकर क्वालिफायर-2 में जगह बनाई जहां उसका सामना गुजरात टाइटंस से शुक्रवार को होगा। सचिन ने वैभव की पारी का किया विरलेक्षण

वैभव की पारी देखकर खुद सचिन भी खुद को नहीं रोक सके। सचिन ने इस बल्लेबाज

को जमकर सराहा और यहां तक कि वह बैट स्विंग को लेकर काफी प्रभावित हुए। सचिन ने एक्स पर लिखा, वैभव सूर्यवंशी का बल्ले का स्विंग शानदार रहा है। इससे भी अधिक उल्लेखनीय बात यह है कि वे कितनी खूबसूरती से अपने फ्रंट फुट को हटाकर पैरों की ओर आने वाली गेंदों के लिए जगह बनाते हैं। यह स्वतंत्रता उन्हें उस तरह से खेलने की अनुमति देती है जिस तरह से वे खेलते हैं। यह पारी वाकई शानदार थी!

विश्व कप विजेता और भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी सूर्यवंशी को अभूतपूर्व बताया। उन्होंने लिखा, 'बेबी बॉस ने यूनिवर्स बॉस का रिकॉर्ड तोड़ा। अविश्वसनीय! इस बच्चे को खेलते देखना बहुत अच्छा लगता है।' पूर्वा ऑलराउंडर सुरेश रैना ने कहा कि सूर्यवंशी जैसे क्रिकेटर यह भरोसा दिलाते हैं कि भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है। रैना ने सोशल मीडिया पर लिखा, वैभव सूर्यवंशी ने इस टूर्नामेंट में जो कमाल किया है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। क्या खिलाड़ी हैं, क्या प्रतिभा के धनी हैं! लोग उन्हें बल्लेबाजी करते देखने के लिए उत्सुक हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत का भविष्य सुरक्षित हाथों में है।

प्लेऑफ में हमेशा फेल क्यों हो जाते हैं अभिषेक शर्मा? भारत के पूर्व ओपनर श्रीकांत ने उठाए सवाल

आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद की हार के बाद टीम की बल्लेबाजी पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। खास तौर पर युवा ओपनर अभिषेक शर्मा को लेकर पूर्व भारतीय बल्लेबाज कृष्णमाचारी श्रीकांत ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

प्लेऑफ में फेल किए हुए अभिषेक

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 244 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स हैदराबाद की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा दूसरी ही गेंद पर बिना खाता खोले आउट हो गए। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने उन्हें शॉर्ट गेंद पर विकेटकीपर के हाथों कैच कराया। इस

प्रदर्शन के बाद श्रीकांत ने अभिषेक की जमकर आलोचना की। उन्होंने कहा, 'अभिषेक शर्मा हमेशा प्लेऑफ में फेल रहे हैं। प्लेऑफ मुकाबलों में उनका रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। 2024 से यही एसआरएच की सबसे बड़ी समस्या रही है।' आर्चर ने पावरप्ले में तोड़ी एसआरएच की कमान



जोफ्रा आर्चर ने शुरुआती ओवरों में घातक गेंदबाजी करते हुए एसआरएच के शीर्ष क्रम को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। उन्होंने अभिषेक

बल्लेबाजी क्रम पर भी उठे सवाल

पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने

शर्मा के अलावा ट्रेविंस हेड और ईशान किशन को भी पवेलियन भेजा। ईशान किशन ने शुरुआत में कुछ आक्रामक शॉट जरूर लगाए, लेकिन आर्चर ने 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार वाली गेंद पर उन्हें भी आउट कर दिया। इसके बाद एसआरएच की टीम मैच में वापसी नहीं कर सकी और 196 रन पर सिमट गई।

मुंबई इंडियन्स छोड़ने जा रहे हार्दिक! मानसिक तनाव, असहयोग या फिर खराब नतीजे? तीन साल बाद राहें अलग होने की असली वजह क्या

आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद हार्दिक पांड्या से इस फ्रेंचाइजी के रिश्तों को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक पांड्या अगले सीजन में मुंबई इंडियंस का हिस्सा नहीं रहना चाहते और उन्होंने यह फैसला सीजन के बीच में ही टीम प्रबंधन को बता दिया था।

बीच सीजन यानी आईपीएल 2026 के 44वें मैच और मुंबई के चेन्नई के खिलाफ इस सीजन दूसरे मैच के बाद हार्दिक अचानक टीम से गायब हो गए थे। न ही वह टीम के साथ यात्रा करते दिखे और न ही टीम के साथ डग आउट में दिखे थे। तब एसआई ने बताया था कि उनको चोट लगी है और इसी वजह से नहीं खेल रहे हैं। हालांकि, अब यह बात भी सामने आ रही है कि हार्दिक और एसआई के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

'मानसिक रूप से थक चुके थे हार्दिक'

एक आईपीएल सूत्र ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'हार्दिक लगातार दबाव और खराब नतीजों से काफी परेशान थे। वह मानसिक रूप से तनाव में थे और पूरी तरह थक चुके थे। उन्हें पीठ में चोट भी लगी थी। प्लेऑफ की उम्मीद खत्म होते ही उन्होंने टीम प्रबंधन को बता दिया था कि वह आगे टीम के साथ नहीं रहेंगे।' हार्दिक ने 2024 में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभाली थी।

फैस की हूटिंग भी बनी वजह

हालांकि, कप्तानी परिवर्तन के बाद से उन्हें लगातार आलोचना और फैस की हूटिंग का सामना करना पड़ा। सूत्र ने बताया, 'यह समझना जरूरी है कि हार्दिक अभी सिर्फ 32 साल के हैं। वह 2024 में 30 साल की उम्र

आईपीएल 2026 के बीच सबसे चौंकाने वाली खबर दूटेगा हार्दिक पांड्या और मुंबई इंडियंस का साथ!

में मुंबई इंडियंस में लौटे थे। पहले ही सीजन में उन्हें हूटिंग का सामना करना पड़ा और इस बार भी चीजे योजना के मुताबिक नहीं रहीं। यह बयान उस कप्तानी बदलाव के संदर्भ में आया, जिसमें बेहद लोकप्रिय रोहित शर्मा को जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया गया था (पिछले दो सीजन में मुंबई इंडियंस के फैस ने कई मैचों के दौरान हार्दिक पांड्या की लगातार हूटिंग की। हालांकि, इस दौरान वह इससे प्रभावित नजर आए, लेकिन उन्होंने हमेशा यही कहा कि 'यह सफर मुश्किल जरूर रहा, लेकिन दिलचस्प भी था।' आईपीएल सूत्र के मुताबिक, अब हार्दिक का धैर्य जवाब दे चुका है।

तीन सीजन मुश्किलों में बीते

पिछले तीन सीजन में मुंबई का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। टीम पिछले सीजन प्लेऑफ में जरूर पहुंची, लेकिन क्वालिफायर-2 में पंजाब से हारकर बाहर हो गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक को उम्मीद थी कि टीम में सभी खिलाड़ी एक



दिशा में काम करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। सूत्र ने बताया, 'मुंबई इंडियंस का ड्रेसिंग रूम वैसा नहीं था, जैसा हार्दिक 2021 में छोड़कर गए थे। हर सीनियर खिलाड़ी एक राय पर नहीं था। अगर नतीजे अच्छे आते तो शायद निराशा इतनी ज्यादा नहीं होती, लेकिन जब हर कोई अलग दिशा में सोचने लगे तो मानसिक दबाव बढ़ जाता है। इसी वजह से हार्दिक ने तय कर लिया था कि वह अगले सीजन में मुंबई इंडियंस का हिस्सा नहीं होंगे।'

रोहित-सुरेंद्रकुमार से आहत थे हार्दिक?

रिपोर्ट के मुताबिक, 'हार्दिक पांड्या को सबसे ज्यादा इस बात ने आहत किया कि जब वह भारत के लिए टी20 क्रिकेट खेलते थे, तब सीनियर खिलाड़ी उनसे 100 प्रतिशत समर्पण की उम्मीद रखते थे, लेकिन जब वह फ्रेंचाइजी की कप्तानी कर रहे थे, तब उन्हें वैसा सहयोग और प्रतिबद्धता वापस नहीं मिली। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हार्दिक किसी दूसरी फ्रेंचाइजी के साथ ट्रेड करेंगे या फिर आईपीएल ऑक्शन में उतरेंगे। इस साल





व्यापार समझौते में खेती और डेयरी को अलग रखेंगे भारत-कनाडा, 50 अरब डालर की ट्रेड का लक्ष्य



नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारत और कनाडा ने प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) पर जारी वार्ता में जल्दी सहमति बन सकने वाले क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया है जबकि संवेदनशील क्षेत्रों को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कनाडा की आधिकारिक यात्रा पर गए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि दोनों देशों ने बातचीत को व्यावहारिक बनाए रखने पर सहमति जताई है। सीईपीए पर तीसरे दौर की वार्ता इस समय ओटावा में जारी है। गोयल ने एक कार्यक्रम में कहा कि जिन मुद्दों को लेकर किसी भी पक्ष को संवेदनशीलता है, उन्हें समझौते में शामिल करने पर जोर नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमने तय किया है कि बेहतर के चक्कर में अच्छे अवसर नहीं गंवाए जाएंगे। आसान और जल्द परिणाम देने वाले क्षेत्रों पर पहले सहमति बनाई जाएगी।' भारत आम तौर पर ऐसे व्यापार समझौतों में कृषि और डेयरी जैसे क्षेत्रों में अपने बाजार तक पहुंच देने से परहेज करता रहा है।

50 अरब डॉलर का लक्ष्य

दोनों देश इस साल के अंत तक समझौते को अंतिम

आधे किराए पर 50 लाख सीटें! एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शुरु की एक्सप्रेस सेल



नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। अगर आप गर्मियों की छुट्टियों में कहीं बाहर जाने का प्लान बना रहे हैं तो आपके पास सस्ते में हवाई यात्रा करने अच्छा मौका है।टाटा ग्रुप की एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस ने अपनी एक्सप्रेस सेल शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत कंपनी अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क पर लाइट (बिना चेक-इन सामान वाले टिकट) और वैल्यू किरायों पर 50% तक की छूट के साथ 50

लाख सीटों की पेशकश कर रही है। इस सेल में 27 मई से 31 मई 2026 तक बुकिंग की जा सकती है और इस टिकट पर 15 जून से 10 अक्टूबर 2026 के बीच यात्रा की जा सकती है।

एयरलाइन 27 मई को अपनी आधिकारिक वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर ग्राहकों को पहले बुकिंग करने का खास मौका यानी अली एक्सप्रेस दे रही है। 28 मई से यह सेल सभी प्रमुख बुकिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस इस सेल के दौरान अपनी आधिकारिक वेबसाइट और ऐप पर की जाने वाली सभी बुकिंग्स पर जीरो कन्वेनिएंस फीस की सुविधा दे रही है। एक्सप्रेस सेल के तहत लॉग-इन करने वाले टाटा

न्यूपास सदस्यों को बिजनेस क्लास के किराए पर 20% की छूट मिलेगी।**क्या-क्या सुविधा मिलेगी?** बिजनेस क्लास में बेहतरीन लेगरूम, मुफ्त गोरेमर गमं खाना, ज्यादा चेक-इन सामान ले जाने की छूट और एक्सप्रेस अहेड प्रायोरिटी सर्विसेज शामिल हैं। टाटा न्यूपास सदस्य उड़ान बुकिंग पर 300 तक की अतिरिक्त छूट भी पा सकते हैं और 8% तक न्यूकॉइन्स कमा सकते हैं। इसके अलावा, सदस्यों को गोमेरर गमं खाने, स्टैडर्ड और प्राइम सीट चुनने और अतिरिक्त सामान के विकल्पों (जैसे 10 किलोग्राम एक्सप्रेस चेक-इन और 3 किलोग्राम एक्स्ट्रा कैरी-ऑन) पर 30% तक की छूट का लाभ भी मिल सकता है।

तनाव के बीच भी मजबूत रहेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, आरबीआई ने एफवाई 27 के लिए 6.9% जीडीपी ग्रोथ का जताया अनुमान

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। पश्चिमी एशिया में चल रहे संघर्ष और बढ़ते ग्लोबल तनाव के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी मजबूती बनाए रखने के लिए तैयार है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में कहा है कि मजबूत घरेलू बुनियादी ढांचे के दम पर भारत आर्थिक विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ता रहेगा।

विकास दर और अर्थव्यवस्था की ताकत

आरबीआई ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की रियल जीडीपी ग्रोथ 6.9 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कॉर्पोरेट और बैंकिंग सेक्टर की स्वस्थ बेलेंस शीट और सरकार द्वारा लगातार पूंजीगत व्यय पर दिया जा रहा जोर इस मजबूत विकास यात्रा को सपोर्ट करेगा। बीते वित्त वर्ष 2025-26 के

दौरान भारत 7.6 प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि के साथ सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहा, जो इससे पिछले वर्ष के 7.1 प्रतिशत के मुकाबले बेहतर है। इस विकास दर को मजबूत घरेलू खपत, निरंतर निवेश और सक्रिय नीतिगत पहलों का पूरा समर्थन मिला है। महंगाई और पश्चिमी एशिया संकट का प्रभाव केंद्रीय बैंक ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी एशिया विवाद 2026 में ग्लोबल विकास दर के लिए सबसे बड़ी रुकावट बनकर उभरा है, जिससे व्यापार और वित्तीय बाजारों के लिए जोखिम पैदा हो रहा है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और स्पल्लाई चेन में रुकावटों से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित

महंगाई दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2025-26 के 2.1 प्रतिशत के मुकाबले काफी अधिक है। आरबीआई के अनुसार, ग्लोबल ईंधन और कर्मांडिट की कीमतों में उछाल जैसे कारक महंगाई के लिए जोखिम बढ़ा सकते हैं। साथ ही, इन भू-राजनीतिक जोखिमों के कारण इन्फुट और मजदूरी की लागत बढ़ने के साथ-साथ वित्निमय दर में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।**राजकोषीय घाटा और सरकारी नियंत्रण** राजकोषीय मोर्चे पर केंद्र सरकार के लगातार प्रयास सफल होते दिख रहे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए संकलन राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहा, जो सरकार के 4.5 प्रतिशत के मीटिंगम-टर्म लक्ष्य से नीचे है। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे

का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रखा है, जो हाल के वर्षों में किए गए राजकोषीय मजबूतीकरण के निरंतर प्रयासों के दर्शाता है।**ब्याज दरों पर आरबीआई का रुख** लगातार बदल रहे महंगाई के जोखिमों को देखते हुए भविष्य में मौद्रिक नीति को लेकर आरबीआई सलाहनी भरा रुख अपना सकता है। महंगाई में तेज गिरावट के कारण 2025-26 के दौरान मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) ने पॉलिसी रेपो रेट में 100 बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी। हालांकि, अप्रैल 2026 में एमपीसी ने बढ़े हुए भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच विकास और महंगाई के परिदृश्य को देखते हुए सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया और अपना 'न्यूटल' रुख बरकरार रखा।

सोने और चांदी की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज गिरावट दिख रही है। एमसीएक्स पर दोनों धातुएं शुरुआती कारोबार में गिरावट के साथ ट्रेड कर रही हैं। सोने की कीमत में 700 रुपये की गिरावट आई है जबकि चांदी 1,500 रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई। सर्राफा बाजार में भी दोनों धातुओं की कीमत में शुरुआती कारोबार में गिरावट दिख रही है। एमसीएक्स में 5 अगस्त की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,60,903 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,60,454 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में यह 706 रुपये की गिरावट के साथ 160197 रुपये तक फिसला। सुबह 9.40 बजे यह 442 रुपये यानी 0.27 फीसदी गिरावट के साथ 1,60,461 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इसी तरह 3 जुलाई की डिलीवरी वाली चांदी पिछले सत्र में 269537.00 रुपये प्रति किलो के भाव पर बंद हुई थी और आज यह 2,68,368 रुपये पर खुली। शुरुआती कारोबार में यह 1,519 रुपये की गिरावट के साथ 2,68,018 रुपये

तक फिसली। सुबह 9.40 बजे चांदी 1168 रुपये यानी 0.43 फीसदी गिरावट के साथ 2,68,369 रुपये पर ट्रेड कर रही थी। इस बीच सर्राफा मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में मामूली गिरावट आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,56,050 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट वाला सोना भी 10 रुपये की गिरावट के साथ 1,43,040 रुपये और 18 कैरेट वाला सोना 10 रुपये नीचे 1,17,030 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,74,900 रुपये प्रति किलो पर ट्रेड कर रहा है।अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में गुरुवार को बड़ी गिरावट देखी गई। इसकी वजह अमेरिका की ओर से ईरान पर ताजा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर अस्थिरता बढ़ना और कच्चे तेल में फिर से तेजी आना है। सोने की अपेक्षा चांदी में अधिक गिरावट देखी गई। भारतीय बाजार बकरीद ईद की छुट्टी के चलते बंद रहे। एमसीएक्स पर भी सुबह के सत्र में कारोबार नहीं हुआ।

वित्त-वाणिज्य

आरबीआई की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा, एक साल में हुआ 48,000 करोड़ का फ्रॉड



नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। भारतीय बैंकिंग सेक्टर में धोखाधड़ी के मामलों में शामिल रकम में बड़ा उछाल देखने को मिला है. भारतीय रिजर्व बैंक की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में बैंक फ्रॉड से जुड़ी रकम 46 फीसदी बढ़कर 48,021 करोड़ रुपये पहुंच गई. पिछले साल यह आंकड़ा 32,803 करोड़ रुपये था. हालांकि राहत की बात यह है कि फ्रॉड मामलों की संख्या में कमी आई है.

फ्रॉड केस घटे, लेकिन रकम बढ़ी

आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, 2025-26 में कुल 10,114 धोखाधड़ी के मामले सामने आए, जबकि एक साल पहले यह संख्या 23,722 थी. यानी मामलों की संख्या कम हुई, लेकिन बड़े मूल्य के फ्रॉड बढ़ गए. रिपोर्ट में बताया गया कि सरकारी बैंकों में फ्रॉड की रकम 35,709 करोड़ रुपये तक पहुंच गई, जो पिछले साल 23,617 करोड़ रुपये थी. वहीं निजी बैंकों में यह आंकड़ा 8,927 करोड़ रुपये से बढ़कर 11,399 करोड़ रुपये हो गया.

पुराने मामलों का भी हुआ खुलासा

आरबीआई ने बताया कि इस साल के

दिल्ली में एक्सोल्यूट वोदका-शिवास रीगल की बिक्री पर रोक बरकरार

पेरनोड रिकार्ड पर 3,000 करोड़ का टैक्स बकाया, ईडी के आरोपों के बाद लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में एक्सोल्यूट वोदका और शिवास रीगल जैसी शराब की बिक्री पर रोक बरकरार है। दिल्ली हाई कोर्ट ने फ्रांस की रिगमज शराब कंपनी पेरनोड रिकार्ड की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें कंपनी ने दिल्ली में अपने प्रोडक्ट्स बेचने की इजाजत मांगी थी। कंपनी साल 2021 की दिल्ली लिकर पॉलिसी (शराब नीति) जांच में आरोपी होने के कारण साल 2023 से ही दिल्ली के मार्केट से बाहर है। दिल्ली के अधिकारियों ने पेरनोड रिकार्ड के लिकर लाइसेंस आवेदन को खारिज कर दिया है।



व्हिस्की इम्पोर्ट (आयात) की सही उम्र और कंपोजिशन (मिश्रण की जानकारी) को जानबूझकर छुपाया। ऐसा इसलिए किया गया ताकि आयातित माल की असली कीमत को कम दिखाया जा सके और कम कस्टम ड्यूटी (टैरिफ) चुकानी पड़े। इस खुलासे के बाद फ्रांस की इस कंपनी को 314 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,996 करोड़ का पिछला बकाया टैक्स चुकाने के लिए कहा गया है। अदालती दस्तावेजों और जांच रिपोर्टों से सामने आया है कि पेनोड ने पिछले साल सितंबर में पूरी हुई जांच के दौरान जानबूझकर अपनी जानकारीयों को उलझाया था।

कंपनी ने इंटरनल माल्ट के लिए नए कोडनेम पेश किए, जिससे कस्टम अधिकारियों के लिए इस इम्पोर्ट की तुलना कम्पिटिटिंस कंपनियों के सामान से करना बेहद मुश्किल हो गया। जांचकर्ताओं की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने इम्पोर्टेड माल्ट की सही डीटैल्स (सटीक कंपोजिशन और उम्र) नहीं बताई, जिसका मकसद टैक्स चोरी और असली वैल्यू को छुपाना था।

उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में भारी बिकवाली सेंसेक्स 1092 अंक टूटा, निफ्टी घड़म

मुंबई, 29 मई (एजेंसियां)।भारतीय शेयर बाजार में दिन भर के भारी उतार-चढ़ाव के बाद **अंततः** बड़ी गिरावट के साथ कारोबार का अंत हुआ है। बाजार में आई इस तेज बिकवाली के चलते निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है और बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं।**आंकड़ों की नजर में बाजार का हाल** शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांकों में आज तेज गिरावट दर्ज की गई:

सेंसेक्स: बीएसई का सेंसेक्स 1,092.06 अंको यानी 1.43 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 74,775.74 के स्तर पर बंद हुआ।**निफ्टी:** वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 भी 359.41 अंक यानी 1.50 प्रतिशत टूटकर 23,547.75 के स्तर पर आ गया। इस गिरावट के साथ निफ्टी ने 23,600 और 23,550 दोनों अहम स्तरों के नीचे अपनी क्लोजिंग दी है।

निवेशकों को पांच लाख करोड़ रुपये का नुकसान

बाजार की इस चौतरफा गिरावट का सीधा असर निवेशकों की पूंजी पर पड़ा है। इस तेज बिकवाली के कारण बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों के कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन में से लगभग पांच लाख करोड़ रुपये साफ हो



गए हैं। इस भारी नुकसान के बाद बीएसई का कुल मार्केट कैप घटकर 466 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया है।

पावर ग्रिड और इंडिगो में भारी गिरावट

इस गिरावट में कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में भारी दबाव देखने को मिला। पावर ग्रिड के शेयरों में तेज बिकवाली देखने को मिली और यह लगभग चार प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ एंविएशन सेक्टर की प्रमुख कंपनी इंडिगो के शेयरों पर भी दबाव रहा और इसमें तीन प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।शेयर बाजार के लिए आज का कारोवारी सत्र भारी गिरावट वाला रहा। शुरुआती उतार-चढ़ाव पूरी तरह से तेज गिरावट में बदल गया, जिससे सूचकांक अपने अहम सपोर्ट लेवल से नीचे आ गए। बाजार में हुई यह पांच लाख करोड़ रुपये की वेल्थ डिस्ट्रक्शन इस बात का संकेत है कि ऊपरी स्तरों पर भारी बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

शुक्र	शुक्र	शुक्र	शुक्र
४	३	२	१
केतु	३	२	१
६	७	८	९

गृह स्थिति	लानारंभ समय
शुक्र चूष मे	वृष ०६-४९ बजे
चंद्र वृश्चिक मे	मिथुन ०८-४९ बजे
मंगल मेष मे	कर्कट ०९-०२ बजे
शुभ मिथुन मे	सिंह ११-१४ बजे
शुक्र मिथुन मे	कन्या १३-२० बजे
शनि मीन मे	तुला १६-२८ बजे
राहु कुंभ मे	वृश्चिक १७-३८ बजे
केतु सिंह मे	धनु १९-५० बजे
	मकर २२-२६ बजे
	कुंभ २३-४६ बजे
	मीन ०१-२३ बजे
	सिंह ०३-०० बजे

विशेष: राशिकल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है। सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशानन्ददाश को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघडिया

काल	05-45 - 07-20	अशुभ
शुभ	07-20 - 08-58	शुभ
रोग	08-58 - 10-36	अशुभ
उत्पात	10-36 - 12-14	अशुभ
चंचल	12-14 - 13-52	शुभ
लाभ	13-52 - 15-29	शुभ
अमृत	15-29 - 17-07	शुभ
काल	17-07 - 18-39	अशुभ

रात का चौघडिया

लाभ	18-39 - 20-07	शुभ
उत्पात	20-07 - 21-29	अशुभ
शुभ	21-29 - 22-52	शुभ
अमृत	22-52 - 00-14	शुभ
चंचल	00-14 - 01-36	शुभ
रोग	01-36 - 02-58	अशुभ
काल	02-58 - 04-20	अशुभ
लाभ	04-20 - 05-45	शुभ

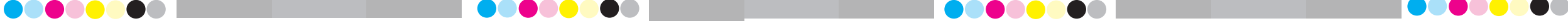
श्री श्रेष्ठ /श्री दुर्गती नामके संवत्सर-विक्रम संवत्: 2083
 शक संवत्:-1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
 महावीर निर्वाण संवत्:-2551, राजा गुप्त, मन्त्री भीम
 कलियुग अवधि - 432000
 भौम्य कलि वर्ष. - 428873 सूर्योदय 05-45
 कलियुग संवत् - 5127 वर्ष, सूर्योत्त. 18 -39
 कल्यार्ष संवत् - 1972949127
 सृष्टि प्रारंभ संवत् - 1955885127
 दिशासूच - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
 मास - अधिक ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष शनिवार 30 May 2026
 तिथि - चतुर्दशी 11-58 तक उपरान्त पूर्णिमा
 नक्षत्र - विशाखा 13-20 तक उप अनुराधा
 योग - शिव 05-24 तक रश्मि उप सिद्ध
 करण - वणिज 11-58 तक उप विही (भद्रा)
 पूर्णिमा व्रत
 विशेष: भद्राकाल 11-58 से

राहुकाल
08-58 से

10-36 तक

आपका राशिफल

शुभ मेघ चू,चे, जो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,	आप की भावना अदम्य है, इसलिए आप अपनी क्षमता को दुसरो को आगे बढ़ने में समर्पित करे और चीजों को व्यवस्थित एवं संभलित करे। इससे आप अपनी कठोर मेहनत के बल पर मान्यता और प्रतिष्ठा अर्जित करेगे। आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है , इसलिए अपने खर्चें और निशेज को कम करे।
वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,	आज आपको अपने कार्यस्थल पर सावधानी बरतनी आवश्यक है। आप ये भूल रहे है , की आज के आधुनिक कार्यालयों में कुछ भी छुपा हुआ नहीं है , इसलिए आपको स्थितियों के मुताबिक खुद को ढालना पड़ सकता है। आज आपको विवेक की जरूरत है और अगर आप उसे अनदेखा करते है।
मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,	आपने अपने व्यक्तिगत काम में व्यस्त होने के कारण अपने पेशेवर कामों को कुछ समय के लिए अपने में लटका दिया था , लेकिन लोगों को कार्यस्थल पर आपकी दृष्टी तरह से आवश्यकता है , हालाँकि आप आर-ई-मेल पर संदेश या फोन पर जवाब न दें प्यारे तो इसमें कोई बुराई नहीं है। व्यय बढ़ेगे लेकिन आपको बहुत जल्द ही कुछ अस्वाभावित धन प्राप्त होने के आसार है।
कर्क ही, हू, हूं, हो, डा , डी, डू, डे, डो,	आप का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्योंकि आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में बांंधनीय होगी , हालाँकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करें। अंतिमलाइत पक्षिओं या जवाबन के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चों को तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा।
सिंह मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे,	जैसे जैसे दिन आगे की ओर बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके परिचित अधिकारी आपको क्षमता के अनुसार कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते हैं।
तुला रा, री, रू, रे, रो , ता, ती, तू, ते,	कुछ वित्त और कैरियर के विभिन्न अवसर आज आपके सामने आ सकते हैं और आप उन्हें लेने के लिए अभिभूत होंगे लेकिन थोड़ा उलझन भी महसूस कर सकते हैं की किस दिशा में जाये (सावधान रहें की ये अनिष्टय आपको पंगु न बनाये। अगर आप सही दिशा में आगे बढ़ते है , तो यह पूरी तरह से आपके वित्तीय भविष्य को बदल सकता हैं।
धनु ये, यो, भा, भी, भू था, फा, हा, भे	आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है वरन्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो। किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे की आप वही निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं। आपके निवेश आपको लम्बी दूरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होगी इसलिए ध्यानपूर्वक स्थिति को समझकर निवेश करें।
कुंभ सू, से, गो, सा, मी, सु, सो, सो, दा,	जो लोग सेवा क्षेत्र में हैं , वे अपनी आय में बड़ोतरी की उम्मीद कर सकते हैं हालाँकि अगर ऐसा नहीं होता है , तो आप खुलकर अपने विचारो को आवाज दे और ये सुनिश्चित रखे की इसे सुना जायेगा। काम का बोझ जो दिन के मध्य में ऊँचा रहेगा परन्तु उम्मीद है कि दिन के अंत तक वह कम होगा।
मकर भी, जा, जी, खो, खु, खे, खो, गा, गी	मीन दी, दू, थ, झ, ज, दे, दो, चा, ची
श्री पंचांगुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापूर	



ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी आदर्श के रूप में उभरना चाहिए : सीतक्का

तेलंगाना ने अपनी तरह का पहला ग्रामीण महिला इनक्यूबेटर लॉन्च किया



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज और ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. दानासारी अनुसूया सीताक्का ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को कल्याणकारी योजनाओं की लाभार्थी होने से आगे बढ़कर आर्थिक स्वतंत्रता और आत्म-अनुशासन के साथ उद्यमी आदर्श के रूप में उभरना चाहिए। शुक्रवार को कोमरम भीम आदिवासी भवन में खचाखच भरे हॉल में विकासमुखी ग्रामीण महिला नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए अपनी तरह के पहले इनक्यूबेटर कार्यक्रम के शुभारंभ को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं को केवल नौकरी चाहने वालों के रूप में नहीं, बल्कि उद्योगों और व्यवसायों का नेतृत्व करने में सक्षम रोजगार सृजनकर्ताओं के रूप में देखती है। यह पहल महिला वरिष्ठत्वलु का हिस्सा है, जो प्रजा पालन प्रगति प्रणालिका का एक भाग है। हम नहीं चाहते कि महिलाएं सिर्फ नौकरी तलाशने वाली बनकर रह जाएं। हम चाहते हैं कि महिलाएं रोजगार सृजनकर्ता बनें, सीतक्का ने कहा। उन्होंने आगे कहा, सरकार नहीं चाहती कि महिलाएं सिर्फ बैंक पासबुक लेकर घूमें; हम

चाहते हैं कि वे अपने व्यवसाय और उद्योगों की मालिक बनें। इस पहल को "एक साधारण कार्यक्रम नहीं, बल्कि एक वित्तीय आंदोलन जो तेलंगाना में ग्रामीण महिलाओं के भविष्य को बदल देगा" बताते हुए मंत्री ने कहा कि इनक्यूबेशन केंद्र महिलाओं को अपनी उद्यमशालिता की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने और अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पहल मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की एक करोड़ महिला स्वयं सहायता समूह सदस्यों को करोड़पति बनाने की महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। ग्रामीण उद्यमों को गति देने के लिए एक संस्थागत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के उद्देश्य से यह पहल सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पॉवर्टी (एसईआरपी) द्वारा टी-हब, बीआईटीएस पिलानी और डब्ल्यूई हब के साथ साझेदारी में कार्यान्वित की जा रही है। कुल 21.40 करोड़ रुपये के इस कार्यक्रम का उद्देश्य सुनियोजित इनक्यूबेशन, वित्तीय सहायता, मेंटोरिंग और बाजार नेटवर्क के माध्यम से 300 उच्च क्षमता वाली ग्रामीण महिला नेतृत्व वाली उद्यमों को सहयोग देना है।

कुल आवंटन में से 8.74 करोड़ रुपये इनक्यूबेशन सहायता के लिए और 12.66 करोड़ रुपये उद्यम वित्तपोषण के लिए निर्धारित किए गए हैं, जिसमें अनुदान और शून्य ब्याज वाले सांकेतिक लोन शामिल हैं। यह कार्यक्रम एक चैलेंज फंड मॉडल अपनाता है, जिसका उद्देश्य विस्तार योग्य उद्यमों की पहचान करना और व्यापार विशेषज्ञ और औपचारिकरण से लेकर ब्रांडिंग, डिजिटल ऑनबोर्डिंग और बाजार पहुंच तक संपूर्ण सहायता प्रदान करना है। उन्होंने कहा, "भले ही बैंक बड़े कारोबारी हस्तियों को ऋण देने में हिचकिचाते हों, लेकिन वे महिला स्वयं सहायता समूहों को आसानी से ऋण दे रहे हैं क्योंकि महिलाओं ने लगभग 100% पुनर्भुगतान का प्रदर्शन किया है और देश के लिए एक उदाहरण पेश किया है।" मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि गांवों में महिलाओं द्वारा निर्मित उत्पाद स्थानीय खपत तक सीमित रहने के बजाय अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंचें। उन्होंने नोदरलैंड से आए मेहमानों को चेयरमैन की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए इमली के बीज के मुछोटे भेंट करने का उदाहरण देते हुए इसे तेलंगाना की ग्रामीण महिलाओं की रचनात्मकता का प्रतिबिंब बताया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में एसईआरपी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी दिव्या देवराजन, टी-हब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कविकुत्, डब्ल्यूई हब की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीता पल्लाचोला, एसईआरपी के गैर-कृषि निदेशक जॉनसन, डीआईटीओ के प्रतिनिधि, जिला महिला संघ की सदस्य, स्वयं सहायता समूह की सदस्य और

सीबीएससी ने 12वीं री-इवैल्यूएशन प्रक्रिया टाली

अब 1 जून से खुलेगा पोर्टल; तकनीकी दिक्कतों के बाद लिया फैसला नई दिल्ली, 29 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएससी) के 12वीं छात्र अब 1 जून से री-इवैल्यूएशन और आंसर-शीट की स्कैन कॉपी के लिए ऑनलाइन आवेदन कर पाएंगे। बोर्ड ने शुक्रवार को तारीख बढ़ाने का ऐलान किया।

बोर्ड ने 19 मई से यह प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन आवेदन संख्या ज्यादा होने के कारण वेबसाइट क्रैश हो रही थी। इसके बाद तारीख बढ़ाकर 25 मई तक कर दी थी। स्टूडेंट्स को री-इवैल्यूएशन के दौरान पोर्टल पर सर्वर डाउन, पेमेंट फेल होने और ब्लर पेज जैसी तकनीकी दिक्कतें सामने आई थीं।

स्टूडेंट्स की शिकायत के बाद सीबीएससी ने पोर्टल पर री-इवैल्यूएशन के लिए आवेदन प्रक्रिया को बंद कर दिया था। बोर्ड का कहना है कि वह पोर्टल को बेहतर बनाने पर काम कर रहा है, ताकि छात्रों को आवेदन करते समय परेशानी का सामना न करना पड़े।

तेलंगाना में कम बारिश की आशंका

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । आने वाला मानसून का मौसम तेलंगाना के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है, क्योंकि संकेतों से पता चलता है कि राज्य में औसत या सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। शुक्रवार को, नई दिल्ली स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपना दूसरे चरण का दीर्घकालिक पूर्वानुमान प्रकाशित किया, जिसमें तेलंगाना सहित दक्षिण प्रायद्वीपीय क्षेत्र के लिए सामान्य से कम मानसून का संकेत दिया गया है। चिंता की बात यह है कि आईएमडी के जून महीने के पूर्वानुमान से पता चलता है कि तेलंगाना के कुछ अलग-थलग इलाकों में मानसून की आधिकारिक शुरुआत के बाद भी सामान्य से अधिक दिनों तक लू चलने की स्थिति रह सकती है। पिछले वर्षों के विपरीत, जब दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर जून की शुरुआत में सक्रिय हो जाता था, इस वर्ष इसके शुरू होने में काफी देरी होने की आशंका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के राष्ट्रीय पूर्वानुमान के अनुसार, मौसमी वर्षा दीर्घकालिक औसत (एनपीए) के 90 प्रतिशत के बराबर रहने का अनुमान है, जिससे देश, विशेष रूप से तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्यों को 'सामान्य से कम' श्रेणी में रखा गया है, जहां 94 प्रतिशत से कम वर्षा होने की 45 प्रतिशत संभावना है। इसके अलावा, आईएमडी के मानसून पूर्वानुमान से पता चलता है कि इस मौसम की शुरुआत में देरी होगी, और जून में होने वाली बारिश 92 प्रतिशत के आंकड़े से कम रहने का अनुमान है।

हालांकि, कई वरिष्ठ मौसम विज्ञानियों को उम्मीद थी कि हिंद महासागर द्विध्रुव की घटना मानसूनी हवाओं को बढ़ाएगी और भारतीय उपमहाद्वीप में वर्षा में वृद्धि में योगदान देगी। हालांकि, पूर्वानुमान को और जटिल बनाते हुए, भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को पुष्टि की कि हिंद महासागर द्विध्रुव (आईओडी) वर्तमान में एक तटस्थ स्थिति में है, जो सकारात्मक चरण में स्थानांतरित होने के तत्काल कोई संकेत नहीं दिखा रहा है जो विकसित हो रहे अल नीनो के प्रभाव का प्रतिकार कर सके। नई दिल्ली स्थित भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) जून के आखिरी सप्ताह में जुलाई माह के लिए अपना विशिष्ट वर्षा पूर्वानुमान जारी करेगा।



राज्यसभा सदस्य डॉ. के. लक्ष्मण को चेयरमैन हाउस कमेटी राज्य सभा के मननीत करने पर बीजेपी स्टेट एजीक्यूटिव मेम्बर एवं वाईएस चेयरमैन महेश बैंक गोविंद राठी, बीजेपी नेता विमल डालिया ने उनका स्वागत कर बधाई दी।

बीजेवाईएम ने तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की

राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा की हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य अध्यक्ष गणेश कुंडे के नेतृत्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा (बीजेवाईएम) के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को हैदराबाद के नान पार्क शहीद स्मारक पर तेलंगाना के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में बीजेवाईएम ने राज्य सरकार की 'युवा घोषणा' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि इसने तेलंगाना में बेरोजगार युवाओं के साथ विश्वासघात किया है। सभा को संबोधित करते हुए गणेश कुंडे ने कांग्रेस सरकार पर नौकरी भर्ती, बेरोजगारी भत्ता और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से संबंधित वादे पूरे न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य का दर्जा दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले युवाओं की अब उपेक्षा की जा रही है। बीजेवाईएम ने राज्य भर में विरोध प्रदर्शनों की एक शृंखला की घोषणा की है, जिसमें बेरोजगार युवाओं के साथ गोलेमज बैठकें, मंडलों में अंबेडकर प्रतिमाओं के सामने धरना, विधायक शिविर कार्यालयों का घेराव, कलेक्टरों के सामने विरोध प्रदर्शन, मंत्रियों के कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन और 'चलो तेलंगाना सचिवालय' अभियान शामिल हैं। इस विरोध प्रदर्शन में बीजेवाईएम के कई राज्य नेताओं, जिला प्रतिनिधियों और युवा कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

रैटू डिस्कॉम किसानों को नुकसान पहुंचाएगा : कविता

टीआरएस संस्थापक ने रेवंत सरकार की आलोचना की हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना रक्षा सेना (टीआरएस) की संस्थापक कलवाकृतला कविता ने शुक्रवार को प्रस्तावित "रैटू डिस्कॉम" (किसानों की बिजली वितरण कंपनी) को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि यह कदम किसानों की मदद करने के बजाय उन्हें गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाएगा। हैदराबाद के एरांगड्डा में तेलंगाना विद्युत निगमक आयोग (ईआरसी) द्वारा आयोजित एक सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेते हुए, कविता ने रेवंत रेड्डी सरकार पर किसानों या राजनीतिक दलों से परामर्श किए बिना गुप्तचर तरीके से बिजली क्षेत्र में सुधारों को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। इस प्रस्ताव को "किसानों पर अभिशाप" बताते हुए कविता ने कहा कि कृषि के लिए एक अलग डिस्कॉम का गठन करना "कृषि क्षेत्र पर एंटीन का डिब्बाबंद करने" के बराबर है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह योजना वास्तव में लाभकारी थी तो सरकार ने इस मुद्दे को छह महीने तक गुप्त क्यों रखा। उन्होंने मांग की कि सरकार इस प्रस्ताव को तुरंत वापस ले और कोई भी निर्णय लेने से पहले सभी 33 जिलों में जांचगार जन सुनवाई आयोजित करे। इसके अलावा, उन्होंने चुनाव आयोग से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया, इसे "वित्तीय और प्रशासनिक रूप से अव्यवहार्य" बताया। टीआरएस प्रमुख ने सवाल उठाया कि जब किसी किसान संगठन ने इसकी मांग नहीं की है तो किसानों के लिए अलग से बिजली वितरण आयोग (डिस्कॉम) की क्या आवश्यकता है। उन्होंने मौजूदा बिजली कंपनियों की वित्तीय स्थिति पर भी चिंता जताई और आरोप लगाया कि बिजली वितरण आयोग पहले से ही लगभग 25,000 करोड़ रुपये के घाटे से जूझ रहे हैं।

टीबी रोगियों के लिए पोषण संबंधी सहायता अत्यंत महत्वपूर्ण : शिव प्रताप शुक्ल

नशीले पदार्थों के रोकथाम के बारे में जागरूकता पैदा करने का आह्वान

राज्यपाल ने स्वास्थ्य सेवाओं और टीबी उन्मूलन उपायों के कार्यान्वयन की समीक्षा की

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कोमरम भीम आसिफाबाद जिले में तपेदिक उन्मूलन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम के लिए जमीनी स्तर पर गहन जागरूकता कार्यक्रमों का आह्वान किया है। शुक्रवार को आसिफाबाद स्थित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर (आईडीओसी) में, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, रेड क्रॉस सोसाइटी की गतिविधियों, स्वास्थ्य सेवाओं और टीबी उन्मूलन उपायों के कार्यान्वयन की समीक्षा करते हुए, राज्यपाल ने सामाजिक और सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। जिला



अधिकारियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि सरकारी सेवा केवल लक्ष्य बनाने का पेशा नहीं है, बल्कि समाज के प्रति एक उत्तरदायित्व भी है। उन्होंने कहा कि टीबीऔर नशीली दवाओं के दुरुपयोग जैसी सामाजिक समस्याओं को निरंतर जन जागरूकता के माध्यम से प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जा सकता है। कुत्रिम नशीले पदार्थों के बढ़ते

खतरे पर चिंता व्यक्त करते हुए शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि ये समाज के लिए गंभीर खतरा हैं और युवाओं की सुरक्षा के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने समाज के व्यापक हित में गैर सरकारी संगठनों और स्वयंसेवी संस्थाओं के जिम्मेदारीपूर्ण कार्य करने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

राज्यपाल ने इस बात पर जोर दिया कि टीबी रोगियों के लिए पोषण संबंधी सहायता अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्होंने जिला अधिकारियों, स्वयंसेवी संगठनों और सामाजिक सेवा समूहों को टीबी रोगियों को गोद लेने और उन्हें पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उन्होंने टीबी उन्मूलन पहलों के लिए लोक भवन से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे कोमुराम भीम आसिफाबाद को नशामुक्त, टीबीमुक्त और विकसित जिले में बदलने के लिए सामूहिक रूप से काम करें। राज्यपाल के सुझावों पर प्रतिक्रिया देते हुए, जिला कलेक्टर के. हरिथा ने घोषणा की कि जिला प्रशासन रोगियों के सभी 4,064 टीबी रोगियों को पोषण

संबंधी सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी लेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल जिला अधिकारियों, रेड क्रॉस सदस्यों और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से लागू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की सदस्यता बढ़ाने और जिले में इसकी गतिविधियों को और मजबूत करने के प्रयास तेज किए जाएंगे। राज्यपाल ने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की सदस्यता को मजबूत करने में उनके सक्रिय प्रयासों को मान्यता देते हुए जिला कलेक्टर को एक विशिष्ट स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इससे पहले, आसिफाबाद आईडीओसी हेलीपैड पर पहुंचने पर राज्यपाल का स्वागत जिला कलेक्टर के. हरिथा, एसपी नितिका पंत, विधायक कोवा लक्ष्मी और पलवाई हरीश बाबू और आईटीडीए परियोजना अधिकारी मंदा मकरंद ने फूलों के गुलदस्ते देकर किया। विशेष मुख्य सचिव एम. दाना किशोर, आईटीडीए परियोजना अधिकारी मंदा मकरंद, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी और रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

मछली प्रसादम में जनसेवा संघ सेवा करेगा



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव द्वारा

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आज जन सेवा संघ चिकित्सा समिति के संयोजक सीता राम

ठाकुर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल 8 जून को मछली दवा प्रसादमआयोजन के आयोजक बत्तीन गोड़ परिवार से मिला। संघ ने बताया कि आयोजन स्थल (नुमाइश मैदान)पर सेवा शिविर बनाकर कर भोजन, पानी उपलब्ध कराना एवं कई अन्य सेवा के लिए पूरी व्यवस्था जनसेवा संघ द्वारा की जा रही है। प्रतिनिधिमंडल में आरपी सिंह, सुनील श्रीवास्तव, हरि सिंह, सुब्रत कुमार, श्याम साहु, मिन्टू ओझा सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

विप्र फाउंडेशन के संस्थापक श्री सुशील जी ओझा का नगर आगमन पर बैठक आयोजित



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विप्र फाउंडेशन द्वारा संस्थापक सुशील ओझा के नगर आगमन पर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर सुशील ओझा ने अपने संबोधन में कहा कि वे आपस में प्रेम पूर्वक मिल कर संगठन तो मजबूत बनाएं, जब

साइबराबाद पुलिस ने स्मार्ट छात्र आवागमन योजना को आगे बढ़ाया

मौजूदा छात्र परिवहन व्यवस्था में बड़ी कमियां सामने आईं

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त और एससीएससी अध्यक्ष एम. रमेश ने शुक्रवार को एक महत्वाकांक्षी "सुरक्षित और किफायती छात्र आवागमन" पहल का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य स्कूलों के आसपास गंभीर यातायात जाम को कम करना और साइबराबाद भर में छात्रों के लिए सुरक्षित परिवहन सुनिश्चित करना है।

साइबराबाद पुलिस कमिश्नरेट से यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीम की गई एक वरचूअल आउटरीच मीटिंग के माध्यम से अभिभावकों को संबोधित करते हुए, सीपी ने कहा कि व्यस्त समय के दौरान स्कूल जॉन में लगभग 2 लाख वाहन जमा हो जाते हैं, जिससे साइबराबाद के आईटी कॉरिडोर में व्यस्त समय के ट्रैफिक की तुलना में भी अधिक जाम की

स्थिति पैदा हो जाती है। प्रस्तावित छात्र गतिशीलता डिजिटल सार्वजनिक अवसरचना एक प्रौद्योगिकी-संचालित, पुलिस-सत्यापित और समुदाय-समर्थित परिवहन पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में कार्य करेगी, जो छात्रों के लिए आरटीसी बसों, निजी परिवहन ऑपरेटरों और निगरानी वाली गतिशीलता सेवाओं को एकीकृत करेगी।

यह प्रणाली साइबराबाद सुरक्षा परिषद (एससीएससी) की देखरेख में मार्ग अनुकूलन, केंद्रीकृत परिचालन नियंत्रण, डिजिटल समन्वय, अनुपालन निगरानी और स्मार्ट मोबिलिटी प्रबंधन का प्रस्ताव करती है। सुरक्षा के लिहाज से एक अहम कदम के तहत, भाग लेने वाले सभी वाहनों को साइबराबाद पुलिस कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के

सीसीटीवी कैमरे से जोड़ा जाएगा। इस पहल के तहत प्रशिक्षित और पुलिस द्वारा सत्यापित गिग वर्कर, आशा वर्कर और आगनवाड़ी स्टाफ को मोबिलिटी सुपरवाइजर और अटेंडेंट के रूप में नियुक्त किया जाएगा। साइबराबाद पुलिस और एससीएससी द्वारा 526 शिक्षण संस्थानों और लगभग 4.1 लाख छात्रों को शामिल करते हुए किए गए एक संयुक्त सर्वेक्षण में मौजूदा छात्र परिवहन व्यवस्था में बड़ी कमियां सामने आईं। आयुक्त ने कहा कि यह मॉडल लंदन की विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन (टीएफएल) प्रणाली से प्रेरणा लेता है और इसका उद्देश्य केवल एक अस्थायी यातायात समाधान के बजाय दीर्घकालिक नागरिक गतिशीलता सुधार लाना है।

प्रत्येक महिला सम्मान, सुरक्षा और गरिमा की अधिकारी : बी. सुमति

‘संस्कार मेगा काउंसिलिंग कार्यक्रम’ आयोजित



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । मल्लाकाजिगर कमिश्नरेट की शी टीम द्वारा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में शामिल आरोपियों के लिए शुक्रवार को संस्कार मेगा काउंसिलिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यवहारिक जागरूकता पैदा करना, महिलाओं और बच्चों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना तथा परामर्श और कानूनी जागरूकता के माध्यम से अपराधों की पुनरावृत्ति को रोकना था। यह कार्यक्रम महिला सुरक्षा प्रकोष्ठ, मल्लाकाजिगर कमिश्नरेट द्वारा आयोजित किया गया। शी टीम द्वारा छेड़छाड़, पीड़ा करना, साइबर उत्पीड़न, ईव-टीजिंग, सार्वजनिक उपद्रव तथा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अन्य अपराधों पर रोक लगाने के लिए

निरंतर सक्रिय और निवारक प्रयास किए जा रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से युवाओं और पहली बार अपराध करने वालों में व्यवहार सुधार, कानूनी जागरूकता, भावनात्मक मार्गदर्शन और मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मल्लाकाजिगर की पुलिस आयुक्त बी. सुमति ने कहा कि एक प्रगतिशील समाज में महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी होती है तथा प्रत्येक महिला सम्मान, सुरक्षा और गरिमा की अधिकारी है। उन्होंने कहा कि समाज में प्रगति के बावजूद महिलाओं के उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, बाल शोषण और महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाएं अभी भी सामने आ रही हैं, जिससे व्यवहार परिवर्तन और सामाजिक जिम्मेदारी अत्यंत आवश्यक हो जाती है। उन्होंने कहा कि शी टीम का उद्देश्य केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि आरोपियों को अपनी गलती समझने, अपने व्यवहार में सुधार लाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का अवसर प्रदान करना भी है।

उन्होंने कहा कि पुलिस रिकॉर्ड में नाम दर्ज होने से व्यक्ति के भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है तथा काउंसिलिंग कठोर कानूनी कार्रवाई से पहले सुधार का अवसर देती है। पुलिस आयुक्त ने जानकारी दी कि 1 जनवरी

2026 से 18 मई 2026 तक शी टीम ने मल्लाकाजिगर, उप्पल और एलबी नगर जोंन में 61 एफआईआर दर्ज कीं, 236 पेटी केस बनाए तथा कुल 760 आरोपियों को पकड़ा। इनमें 137 नाबालिग थे, जबकि 11 आरोपी 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के थे। वहीं 384 वयस्क आरोपी 24 वर्ष से कम आयु के पाए गए, जो युवाओं में जागरूकता, परामर्श और जिम्मेदार व्यवहार की तत्काल आवश्यकता को दर्शाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि हम समाज में महिलाओं के लिए किस प्रकार की सुरक्षा भावना का निर्माण कर रहे हैं? और आरोपियों से महिलाओं तथा बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पर आत्ममंथन करने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि उत्पीड़न, बाल शोषण, घरेलू हिंसा और अन्य अनैतिक गतिविधियों को किसी भी परिस्थिति में बदोशत नहीं किया जाएगा तथा मल्लाकाजिगर कमिश्नरेट महिलाओं की सुरक्षा को सुधार लाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का अवसर प्रदान करना भी है। उन्होंने बताया कि शी टीम ने अब तक 406 शैक्षणिक संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 53 हजार से अधिक लोगों को महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा, पॉक्सो अधिनियम, कानूनी प्रावधानों, सामाजिक जिम्मेदारी और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक किया है। उन्होंने यह भी कहा कि समय-समय पर फॉलो-अप काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त चेंज मैटर्स नियुक्त किए जाएंगे, ताकि नाबालिग और वयस्क दोनों प्रकार के आरोपियों में दीर्घकालिक व्यवहार परिवर्तन सुनिश्चित किया जा सके।

कांग्रेस को एनटीआर के बारे में नैतिक अधिकार नहीं : राव

भाजपा ने कांग्रेस की जमकर आलोचना की हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने शुक्रवार को कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए उस पर जीएचएमसी चुनावों से पहले वोट बैंक की राजनीति के लिए एनटी रामाराव की विरासत का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सूर्यपिट में भाजपा के पंडित दीन दयाल उपाध्याय प्रशिक्षण अभियान को संबोधित करते हुए राव ने कहा कि कांग्रेस को एनटीआर के बारे में बोलने का "कोई नैतिक अधिकार नहीं" है, जिनके बारे में उन्होंने दावा किया कि वे "कांग्रेस-मुक्त भारत" का आह्वान करने वाले पहले नेताओं में से थे। राव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस हैदराबाद में आंध्र प्रदेश के मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही है, जबकि साथ ही साथ "तृष्णीकरण की राजनीति" भी जारी रखे हुए है। उन्होंने ओबीसी प्रतिनिधित्व को लेकर राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और दावा किया कि पिछड़े वर्ग की राजनीति की बात करने के बावजूद कांग्रेस ने अपने इकलौते ओबीसी मुख्यमंत्री को हटा दिया।

कांग्रेस को कमीशन से प्रेरित पार्टी बताते हुए, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने तेलंगाना सरकार पर धान की खरीद में किसानों को विफल करने और उन्हें एमएसपी से कम कीमत पर फसल बेचने के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarththa2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaarththa.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

तेलंगाना ने 60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की : उत्तम

राज्य पहले ही 60 एलएमटी का आंकड़ा पार कर चुका है

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने घोषणा की है कि तेलंगाना देश में संभवतः सबसे सफल धान खरीद अभियान चला रहा है, जिसमें अब तक 60 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) से अधिक धान की खरीद हो चुकी है और राज्य यासांगी (रबी) धान की खरीद में निर्विवाद राष्ट्रीय नेता के रूप में उभरा है। राज्य सचिवालय में कृषि मंत्री तुमाला नागेश्वर राव, परिवहन और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर और सार्वजनिक उद्यम एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन, संसद सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना भारत की खाद्यान्न खरीद प्रणाली की रीढ़ बन गया है।

उन्होंने कहा, आज, भारत में चल रहे यासांगी सीजन के दौरान खरीदी गई कुल धान की खरीद का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा अकेले तेलंगाना से आया है। खरीद प्रक्रिया समाप्त होने तक, तेलंगाना से देश की कुल यासांगी धान खरीद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा प्राप्त होने की उम्मीद है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने पहले ही 60 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद कर ली है, जबकि आंध्र प्रदेश में लगभग 24 लाख मीट्रिक



टन, तमिलनाडु में 11-12 लाख मीट्रिक टन, महाराष्ट्र में 3 लाख मीट्रिक टन और केरल में लगभग 2 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई है। उन्होंने आगे कहा, "धान की खरीद में तेलंगाना अन्य सभी राज्यों से काफी आगे है। केंद्रीय पूल व्यवस्था के तहत भारतीय खाद्य निगम को चावल की आपूर्ति करने में भी हम पहले स्थान पर हैं।" उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि जहां केंद्र सरकार ने तेलंगाना से केवल 52 एलएमटी तक की खरीद पर सहमति जताई थी, वहीं राज्य पहले ही 60 एलएमटी का आंकड़ा पार कर चुका है।

उन्होंने कहा, तेलंगाना द्वारा की गई खरीद का पैमाना केंद्र द्वारा निर्धारित सीमा से 115 प्रतिशत अधिक है। यह हमारे किसानों द्वारा हासिल किए गए असाधारण उत्पादन स्तर और किसान हितों की रक्षा के लिए कांग्रेस सरकार की अटूट प्रतिबद्धता दोनों को दर्शाता है। मंत्री जी ने कहा कि

यासांगी 2025-26 के दौरान धान की खेती 64.36 लाख एकड़ में की गई, जिसके परिणामस्वरूप अनुमानित 141 लाख मीट्रिक टन का उत्पादन हुआ। उन्होंने कहा कि खरीद प्रक्रिया को और तेज किया जा रहा है और जून के पहले सप्ताह में आने वाले दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन से पहले इसे पूरा करने की पूरी कोशिश की जाएगी।

केंद्र की खरीद नीति पर चिंता व्यक्त करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद से तेलंगाना में धान का उत्पादन साल दर साल लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, तेलंगाना में हर साल और हर फसल के मौसम में चावल का उत्पादन बढ़ रहा है। फिर भी, उत्पादन में इस वृद्धि के बावजूद, एफसीआई के माध्यम से केंद्र द्वारा स्वीकार किए जाने वाले चावल की मात्रा कम हो रही है। मुख्यमंत्री और मैंने इस मुद्दे को केंद्र सरकार

के समक्ष बार-बार उठाया है। उन्होंने कहा, खराब मौसम की वजह से किसी भी किसान को नुकसान नहीं होना चाहिए। हमने यह सुनिश्चित किया है कि किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिले और खरीद प्रक्रिया निर्बाध रूप से जारी रहे।



अनाकापल्ली के सांसद सी. एम. रमेश ने महाप्रबंधक, एससीआर संजय कुमार श्रीवास्तव से रेल निलयम, सिकंदराबाद में मुलाकात की।

महिला को परेशान करने के आरोप में पांच लोगों को जेल

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। त्वरित न्यायिक कार्रवाई में, आंबिड्स पुलिस ने हैदराबाद के निजाम कॉलेज पीजी हॉस्टल के पास एक महिला के साथ छेड़छाड़ के मामले में शामिल पांच लोगों को दोषी ठहराया। यह घटना 27 मई को शाम लगभग 6:30 बजे घटी, जब आरोपी ने कथित तौर पर नशे की हालत में अपने पति के साथ मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रही एक महिला के साथ दुर्व्यवहार किया। तुरंत कार्रवाई करते हुए, आंबिड्स पुलिस ने ई-पेडी केस दर्ज कर आरोपी को अदालत में पेश किया। शुक्रवार को नामपल्ली स्थित तृतीय विशेष न्यायिक द्वितीय श्रेणी मजिस्ट्रेट श्री एम. भास्कर ने सभी पांच आरोपियों को दोषी पाया और उन्हें नगर पुलिस अधिनियम की धारा 70(ए) और 70(सी) के तहत सात दिन के कारावास की सजा सुनाई। दोषी ठहराए गए सभी व्यक्ति खापानम कर्मचारी और नेपाली नागरिक हैं जो किंग कोर्टी में रहते हैं। इनकी पहचान सुनील (23 वर्ष), उमेश (22), लक्ष्मण (23), पुरुषोत्तम (22) और राम (23) के रूप में की गई है। इस मामले की जांच आंबिड्स पुलिस स्टेशन के एसआई शीकांत ने की, जबकि पीसी एन. राजेश्वर ने अदालती कार्यवाही का समन्वय किया। अंबिड्स एसएचओ के. परशुराम ने त्वरित न्याय सुनिश्चित करने और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ कड़ा संदेश देने के लिए सीडीओ फंक्शनल वर्टिकल टीम, जांच अधिकारी और अदालत के कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

उस्मानिया विश्वविद्यालय में साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र स्थापित होगा

प्रज्ञा साइबर के साथ हुआ समझौता



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग महाविद्यालय (ओयूसीई) ने गुरुवार को एआई आधारित साइबर सुरक्षा कंपनी प्रज्ञा साइबर के साथ पारिसर में अत्याधुनिक साइबर सुरक्षा उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की संयुक्त स्थापना और विस्तार के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओए) पर हस्ताक्षर किए। इस पहल की महत्ता पर जोर देते हुए ओयू के कुलपति प्रो. कुमार मोलुगाराम ने कहा कि आधुनिक डिजिटल पौरुष्य में साइबर सुरक्षा हर क्षेत्र की अनिवार्य आवश्यकता बन चुकी है। उन्होंने कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय उच्च प्रभाव वाली पहलों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और विश्वविद्यालय इस सहशिक्षा केंद्र को मजबूत करने के लिए हर संभव संस्थागत सहयोग प्रदान करेगा।

ओयूसीई के प्राचार्य प्रो. पी. चंद्र शेखर ने कहा कि यह सहयोग सैद्धांतिक ज्ञान और कंप्यूटिंग जगत की व्यावहारिक आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करने में सहायक होगा। वहीं, प्रज्ञा साइबर के संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी वासु अदुत्तुल ने कहा कि उनकी संस्था का उद्देश्य भारत की अगली पीढ़ी के एआई आधारित साइबर सुरक्षा पेशेवरों को तैयार करना है।

दो अलग-अलग बस दुर्घटनाएँ

सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को दिलसुखनगर और पंजागुड़ा में हुई दो अलग-अलग बस दुर्घटनाओं ने शहर की व्यवस्था सड़कों पर दहशत फैला दी। इन घटनाओं के बाद एक बार फिर शहर में सड़क सुरक्षा और लापरवाही से वाहन चलाने को लेकर यात्रियों तथा आम जनता के बीच चिंताएं बढ़ गई हैं। दिलसुखनगर में एक निजी बस कथित रूप से एक ट्रैफिक बूथ से टकरा गई, जबकि पंजागुड़ा में एक एपीएसआरटीसी बस मुख्य सड़क पर आगे चल रहे एक वाहन से जा टकराई।

हालांकि इन दोनों घटनाओं में किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई सूचना नहीं है, लेकिन इसके कारण दोनों ही घनी आबादी वाले क्षेत्रों में यातायात बाधित हो गया और जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। अधिकारियों ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि ये दुर्घटनाएँ तेज गति, चालक की थकान या लापरवाही के कारण हुईं या नहीं। गौरतलब है कि हाल के दिनों में हयातनगर और एलबी नगर में हुई सड़क दुर्घटनाओं के बाद यह घटनाएँ सामने आई हैं, जिससे शहर में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर चिंता और अधिक बढ़ गई है।

श्रीवाणी दर्शन टिकटों के आवंटन में परिवर्तन

तिरुमला, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्रीवाणी टूरस्ट दर्शन टिकटों के आवंटन में कई बदलाव करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। वर्तमान में, टीटीडी प्रतिदिन 1,500 श्रीवाणी दर्शन टिकट ऑनलाइन उपलब्ध कराता है। इनमें से 500 टिकट अग्रिम बुकिंग कोटा के तहत तीन महीने पहले ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जारी किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, तिरुपति हवाई अड्डे पर मौजूदा बुकिंग कोटा के तहत श्रीवाणी दर्शन के 200 टिकट जारी किए जा रहे हैं। वर्तमान में दैनिक चालू बुकिंग कोटा के तहत उपलब्ध 800 श्रीवाणी दर्शन टिकटों में से, टीटीडी ने प्रतिदिन 300 टिकट उन पात्र दानदाताओं के लिए आरक्षित करने का निर्णय लिया है जिन्होंने पहले ही श्रीवाणी टूरस्ट को 10,000 रुपये का योगदान दिया है और दर्शन टिकटों की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

खाद्य सुरक्षा संबंधी चूकों पर कड़ी कार्रवाई होगी : अदलुरी

मंत्री ने गुरुकुलम के परिणाम जारी किए



संबोधन में मंत्री जी ने इस बात पर जोर दिया कि पहले चरण में चयनित छात्रों को 7 जून तक अपना नामांकन पूरा करना होगा। उन्होंने राज्य भर के छात्रों और अभिभावकों के गुरुकुलम संस्थानों पर अटूट विश्वास को स्वीकार किया। मंत्री ने अधिकारियों को इन संस्थानों की निगरानी इस तरह से

करने का निर्देश दिया जिससे यह विश्वास बरकरार रहे। उन्होंने आश्वासन दिया कि खाद्य विषाक्तता जैसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए उपाय लागू किए गए हैं और पिछली घटनाओं के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता गाडे वेंकट रेड्डी के निधन पर

गहरी संवेदना व्यक्त की

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गाडे वेंकट रेड्डी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुःख व्यक्त किया है, जिन्होंने पूर्व संयुक्त आंध्र प्रदेश में मंत्री के रूप में कार्य किया था। शुक्रवार को यहां एक बयान में मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि वेंकट रेड्डी पांच बार विधायक चुने गए थे और उन्होंने मंत्री के रूप में विभिन्न विभागों का कुशलतापूर्वक कार्यभार भी संभाला था। मुख्यमंत्री ने दिवांगत कांग्रेस नेता को उनके सौम्य स्वभाव और धैर्य के लिए प्रसिद्ध बताते हुए कहा कि वेंकट रेड्डी ने मंत्री और विधायक के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान कई जन कल्याणकारी योजनाएं शुरू की थीं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता का निधन एक अप्रत्याशित क्षति है और उन्होंने ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। रेवंत रेड्डी ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना भी व्यक्त की।

चार करोड़ रुपये के अवैध भूमि सौदे के रैकेट का भंडाफोड़, 3 गिरफ्तार

3.5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से बेचने की साजिश रची



हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भूमि धोखाधड़ी पर एक बड़ी कार्रवाई में, साइबराबाद पुलिस ने गंडीपेट गांव में लगभग 10 एकड़ सरकारी जमीन से जुड़े फर्जी सरकारी आदेशों (जीओ) और अवैध भूमि सौदे के रैकेट के सिलसिले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया जब गंडीपेट तहसीलदार श्रीनिवास रेड्डी ने 23 मई को शिकायत दर्ज कराई कि जाली सरकारी आदेश व्हाट्सएप और सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें झूठा दावा किया गया है कि गंडीपेट के सर्वे नंबर 18 में सरकारी जमीन को निजी व्यक्तियों के पक्ष में नियमित कर दिया गया है। शिकायत के आधार पर, नरसिंजी पुलिस स्टेशन ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी निम्मला वेणुगोपाल, निम्मला रामास्वामी

और निम्मला राजेश के आवासां पर तलाशी ली और बैंक पासबुक, एमओयू, मोबाइल फोन और एक लैपटॉप जब्त कर लिया। जांचकर्ताओं ने पाया कि निम्मला परिवार के सदस्यों ने कथित तौर पर लगभग 10 एकड़ सरकारी पोराम्बोक भूमि पर स्वामित्व का दावा किया, जबकि अक्टूबर 2025 में उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने कथित तौर पर बोला रमेश और ब्रह्मा नायडू के साथ मिलकर फर्जी स्वामित्व दस्तावेजों और फर्जी सरकारी आदेशों का उपयोग करके जमीन को 3.5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से बेचने की साजिश रची। आरोपियों को प्रस्तावित भूमि सौदे के तहत कथित तौर पर लगभग 4 करोड़ रुपये मिले थे। पुलिस ने बताया कि इस साजिश में सुनील, राधाकृष्ण और अन्य लोगों ने

सहयोग किया था, जो फिलहाल फरार हैं। गिरफ्तार किए गए तीन आरोपी निम्मला राजेश गोड़, निम्मला वेणुगोपाल और निम्मला साई किरण हैं पुलिस ने बताया कि बोल्ता रमेश, ब्रह्मा नायडू, सुनील और राधाकृष्ण सहित शेष आरोपियों को गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं। साइबराबाद पुलिस 2025 में उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने कथित तौर पर बोला रमेश और ब्रह्मा नायडू के साथ मिलकर फर्जी स्वामित्व दस्तावेजों और फर्जी सरकारी आदेशों का उपयोग करके जमीन को 3.5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ की दर से बेचने की साजिश रची। आरोपियों को प्रस्तावित भूमि सौदे के तहत कथित तौर पर लगभग 4 करोड़ रुपये मिले थे। पुलिस ने बताया कि इस साजिश में सुनील, राधाकृष्ण और अन्य लोगों ने

39 साल पुराना हेल्थ ट्रिंक स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र

हैदराबाद, 29 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित सार्वजनिक उद्यानों के पास संग्रहालय के सामने पिछले लगभग चार दशकों से एक छोटा सा हेल्थ ट्रिंक स्टॉल सुबह की सैर करने वालों, जागिंग करने वालों और फिटनेस प्रेमियों को स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ परोस रहा है। नियमित ग्राहक इस स्टॉल संचालक को प्यार से 'अंकल' या 'मामा जी' कहकर बुलाते हैं। वर्ष 1987 से संचालित यह स्टॉल बिना किसी बैनर, विज्ञापन या ऑनलाइन प्रचार के लगातार लोगों के बीच लोकप्रिय बना हुआ है। हाल ही में हैदराबाद के फूड लवर और ट्रैवलर सैन्ड ओवेस द्वारा बनाई गई एक इंस्टाग्राम रील वायरल होने के बाद यह स्टॉल अचानक चर्चा में आ गया। इसके बाद शहर के विभिन्न हिस्सों से लोग यहां पहुंचकर इन पारंपरिक पेय पदार्थों का स्वाद ले रहे हैं।

